हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

पूर्वांचल की विरासत NEWS

हम बनेंगे आपकी आवाज़

वर्ष : 1 अंक : 17 (कुशीनगर से प्रकाशित) कुशीनगर, सोमवार 26 अक्टूबर 2026 पृष्ठ : 8 मूल्यः 1.00 रुपया



न्यूज

1.56 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा के साथ दो यात्री गिरफ्तार

हैदराबाद। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर करीब 1.56 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा जब्त कर दो यात्रियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, डीआरआई की हैदराबाद क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों ने खुफिया सूचना के आधार पर 22 अक्टूबर को एक भारतीय यात्री को रोका, जो हैदराबाद से मलेशिया के कुआलालंपुर जाने वाला था। विज्ञप्ति में बताया गया कि यात्री के सामान की तलाशी लेने पर करीब 63.62 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा बरामद हुई, जिसमें अमेरिकी डॉलर और मलेशियाई रिंगिट शामिल थे। विज्ञप्ति के अनुसार, विदेशी मुद्रा को यात्री के ट्रॉली बैग में कपड़ों के बीच एक काले रंग के प्लास्टिक कवर में छिपाकर रखा गया था। प्रारंभिक पूछताछ में अधिकारियों को उसी उड़ान से यात्रा करने वाली एक अन्य महिला के बारे में जानकारी मिली, जिसने अलग पीएनआर पर टिकट बुक कराया था। इसके बाद अधिकारियों ने महिला पर नजर रखी और उसे भी रोक लिया।

अपराधी कितना भी डीपफेक का आवरण ओढ़े, उसे खोज निकालेंगे: मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक जैसी तकनीकों के दौर में अपराधी कितना भी तकनीक का आवरण ओढ़ ले, उत्तर प्रदेश की वैज्ञानिक और विधिक क्षमता उसे खोज निकालेगी। एआई हमारे लिए मददगार हो सकता है, लेकिन उसे निर्णायक नहीं बनना चाहिए। तकनीक का संचालन मानव विवेक से होना चाहिए, न कि मनुष्य तकनीक के विवेक पर निर्भर हो जाए। पूरी तरह एआई पर निर्भरता भविष्य में संकट बन सकती है। वैज्ञानिक साक्ष्यों, फॉरेंसिक जांच और आधुनिक तकनीक के समन्वय से अपराध अनुसंधान को प्रभावी बनाने के साथ न्याय मिलने में होने वाली देरी को भी कम किया जा सकेगा।मुख्यमंत्री शनिवार को लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन श्टेक संगम 2026श् को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने क्रांटम फॉरेंसिक्स और विधिक



अनुपालन के क्षेत्र में कार्य करने वाले श्लेक्सो सेंटर ऑफ एक्सीलेंसश् का शुभारंभ किया। उन्होंने कंसेंट मैनेजमेंट पोर्टल लॉन्च किया, श्अभेद्यश् परियोजना की आधारशिला रखी और श्एआई इन कंस्ट्रक्शनश् पुस्तक का विमोचन भी किया। सम्मेलन में साइबर सुरक्षा, डिजिटल साक्ष्य, क्वांटम तकनीक, फॉरेंसिक विज्ञान और एआई के न्यायिक व प्रशासनिक उपयोग पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए।मुख्यमंत्री ने बताया कि करीब 100 एकड़ की जिस जमीन पर आज विश्वस्तरीय फॉरेंसिक संस्थान खड़ा है, उस पर कभी लखनऊ के एक बड़े भू-माफिया का कब्जा था। उस समय पुलिस भी इस मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पा रही थी। वर्ष 2017 में पुलिस अधिकारियों से इसकी जानकारी मिलने के बाद जांच कराई गई और भू-माफिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। दूसरी एफआईआर दर्ज होते ही उसने आत्मसमर्पण कर जमीन छोड़ दी। फॉरेंसिक विज्ञान की उपयोगिता समझाते हुए मुख्यमंत्री ने लोकप्रिय टीवी सीरियल श्सीआईडीश् का उदाहरण दिया।

तकनीक को जनहित, न्याय और युवाओं के भविष्य से जोड़ना वक्त की मांग: योगी

एजेंसी

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तकनीक की नई संभावनाओं को जनहित, न्याय और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य से जोड़ना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके लिए साइबर सुरक्षा और फॉरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान व प्रशिक्षित मानव संसाधन को बढ़ावा देना जरूरी है। सीएम ने शनिवार को सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि आज उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस, लखनऊ में आयोजित 'टेकसंगम 2026' में प्रतिभाग करूंगा। एआई, साइबर फॉरेंसिक, क्वांटम तकनीक और डेटा प्रोटेक्शन जैसे उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित यह आयोजन तकनीकी नवाचार को नागरिक सुरक्षा, प्रभावी न्याय व्यवस्था व डिजिटल ट्रस्ट से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश की बदलती कार्य-संस्कृति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले देश की सबसे बड़ी आबादी वाले प्रदेश में केवल 2 साइबर थाने और 4 फॉरेंसिक लैब थीं। विज्ञान और तकनीक की संभावनाओं का पर्याप्त उपयोग न होने और वैज्ञानिक साक्ष्यों के अभाव में अपराधियों को कानून से बच निकलने का अवसर मिलता था। कन्विक्शन रेट 30 प्रतिशत से भी कम था। वर्ष 2017 के बाद प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने इस स्थिति को बदलने की दिशा में कार्य किया। आज सभी 75 जनपदों में साइबर थाने हैं और प्रत्येक मंडल में फॉरेंसिक लैब स्थापित करने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

कांग्रेस ने कभी संविधान का पालन नहीं किया अपनी मनमानी से देश चलाया: नितिन नवीन



एजेंसी

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी (कांग्रेस) ने कभी संविधान का पालन नहीं किया और अपनी मनमानी से देश चलाया। झारखंड के तीन-दिवसीय दौरे पर आए नवीन यहां भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के उद्घाटन सत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित कर रहे थे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, आज देश में संवैधानिक संस्थाओं और लोकतंत्र को चुनौती देने की कोशिश की जा रही है। संविधान की दुहाई देने वालों ने ही उसे तार-तार किया है। नवीन ने कहा, आपातकाल लगाने से लेकर कई राज्यों में राष्ट्रपति शासन लागू करने तक, कांग्रेस ने कभी संविधान का पालन नहीं किया और मनमाने तरीके से देश चलाया। लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश करने वाले ही आज हमें इस पर उपदेश दे रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर देश में अराजकता पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। नवीन ने कहा, इसके लिए उन्हें न केवल देश के भीतर से, बल्कि विदेशी ताकतों से भी समर्थन मिल रहा है। राहुल गांधी अब देश की संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते हैं, लेकिन जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब उन्होंने कभी इन पर सवाल नहीं उठाए।श्ए कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करने से पहले नवीन ने सभी जिला अध्यक्षों और प्रभारियों के साथ बैठक की।



अच्छी शुरुआत,अब हजारों हलफनामों पर भी हो कार्रवाई: अखिलेश यादव

एजेंसी



लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) से आग्रह किया कि वह उनकी पार्टी द्वारा जुटाई गई उन हजारों हलफ्नामों की जांच करे, जो कथित चुनावी गड़बड़ियों और अनियमितताओं से जुड़े हैं। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने हाल की घटनाओं को अच्छी शुरुआत बताया और चुनाव आयोग से पार्टी द्वारा जुटाए गए सबूतों पर कार्रवाई करने की अपील की। यादव ने कहा, यह एक अच्छी शुरुआत है अब शायद चुनाव आयोग भी उन हजारों हलफ्नामों पर संज्ञान लेगा, जिन्हें हमने चुनावी गड़बड़ियों और घोटालों के संबंध में इकट्ठा किया है। समाजवादी पार्टी ने लगातार चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने हाल के चुनावों में मतदाताओं को रोकने, प्रशासनिक पक्षपात और मतदान के दौरान अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। पार्टी नेतृत्व का दावा है कि उन्होंने विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के प्रभावित मतदाताओं और पोलिंग एजेंटों से हस्ताक्षरित हलफ्नामे लेकर इन कथित अनियमितताओं का दस्तावेजीकरण किया है। इससे पहले, 23 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर एमएलसी (स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र) चुनावों में चुनावी गड़बड़ियां करने का आरोप लगाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन और भ्रष्ट अधिकारी मिलकर मतदाताओं को वोट डालने से रोकने का काम कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने दावा किया कि इन कथित अनियमितताओं के बावजूद सत्ताधारी पार्टी चुनाव हार जाएगी। यादव ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में शिक्षक और स्नातक मतदाता मौजूदा सरकार से नाराज थे और उन्होंने बड़ी संख्या में भाजपा के खिलाफ वोट दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि आगरा, फतेहपुर, इटावा, औरैया, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद और नोएडा सहित कई जिलों में अपनी हार को भांपते हुए, सत्ताधारी पार्टी ने धांधली का सहारा लिया।

ईवीएम से चुनाव हो तो दिक्कत, बैलट पेपर से भी परेशानी: ओपी राजभर

एजेंसी



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एमएलसी चुनाव को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश सरकार में मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें चुनाव के हर तरीके से परेशानी होती है। राजभर के मुताबिक, ईवीएम से चुनाव होने पर भी सवाल उठाए जाते हैं और बैलट पेपर से मतदान होने पर भी आरोप लगाए जाते हैं। राजभर ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव चुनावी हार की आशंका में संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख को पहले अपनी पार्टी के भीतर उठ रहे सवालों का जवाब देना चाहिए। हालांकि, ये राजभर के राजनीतिक आरोप हैं और इन्हें अखिलेश यादव का पक्ष नहीं माना जा सकता। ओपी राजभर ने सपा नेता रामगोपाल यादव के कथित बयान का हवाला देते हुए कहा कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और कटवाने की प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं करने के लिए सपा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया गया है। उन्होंने सवाल किया कि जब पार्टी के नेताओं के बयान अलग-अलग हैं, तो सही किसे माना जाए। राजभर का कहना था कि अखिलेश यादव को चुनाव आयोग पर सवाल उठाने से पहले अपनी पार्टी के भीतर की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

उन्होंने एमएलसी चुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल का संकेत बताते हुए भाजपा की जीत का दावा भी किया। राजभर ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव चुनाव से पहले बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन नतीजे आने के बाद राजनीतिक स्थिति अलग नजर आती है। उन्होंने कहा कि एमएलसी चुनाव के परिणाम से प्रदेश में सपा की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सकेगा। सत्तारूढ़ गठबंधन की संभावनाओं को लेकर राजभर ने भाजपा की जीत का भरोसा जताया। हालांकि, चुनाव परिणाम आने से पहले किसी भी दल की जीत को निश्चित नहीं माना जा सकता। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह ने भी अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि एमएलसी चुनाव में भाजपा सभी 11 सीटें जीतेगी। उनके मुताबिक, शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव बैलट पेपर से हो रहे हैं, जबकि अखिलेश यादव पहले भी बैलट पेपर से चुनाव कराने की मांग करते रहे हैं।

देवास में जहरीली शराब पीने से 13 मौतें, बड़े मगरमच्छों पर कारवाई कब: अरुण यादव

एजेंसी



भोपाल। मध्य प्रदेश के देवास जिले में 20 दिनों में हुई 13 मौतों को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने राज्य की मोहन यादव सरकार पर हमला बोला है। उनका आरोप है कि यह मौतें जहरीली शराब से हुई है और सवाल उठता है कि राज्य में बड़े मगरमच्छों पर कारवाई कब होगी। वहीं प्रशासन आरोप को नकार रहा है। दरअसल, देवास जिले के चंदाना गांव और बिंजाना गांव में 27 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच 13 लोगों की मौत हुई है । परिजनों का आरोप है कि शराब पीने के बाद उल्टी हुई, चक्कर आए और आंखों की रोशनी कम हो गई। बाद में मौत हो गई। प्रशासन इन आरोपों को नकारते हुए मौत के कारण अलग-अलग बता रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अरुण यादव ने देवास की घटना को लेकर सरकार पर सवाल उठाए हैं और कहा है कि बड़े मगरमच्छों पर कब होगी कार्यवाही ? मध्यप्रदेश में जहरीली शराब से गरीबों की मौत का सिलसिला कब रुकेगा ? उन्होंने आगे कहा है कि सागर के बाद देवास में 13 मौतें, शराब पीकर पहले आंखों की रोशनी गई, फिर जिंदगी । सवाल सीधा है यह सरकार शराब माफिया चला रहे हैं या सरकार ही शराब माफिया के इशारे पर चल रही है ? हर मौत के बाद सरकार की खामोशी क्यों ? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीते 20 दिनों मे चंदाना गांव में नौ और बिंजाना गांव चार लोगों की मौत हुई है। पीड़ित परिवारों और ग्रामीणों का आरोप है जिन लोगों की मौत हुई, उन लोगों ने शराब पी थी और उसके बाद ही उनकी मौत हुई है।

इसके अलावा यह भी बताया गया है कि मौत का शिकार हुए अधिकांश लोग मजदूर वर्ग के हैं और शराब पीते थे । राज्य मे इससे पहले सागर जिले के बंडा में जहरीली शराब पीने से 20 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। अब देवास जिले में भी इसी तरह की बात सामने आ रही है और कांग्रेस इसको लेकर हमलावर हो गई है।

बदलते सामाजिक मूल्यों पर एक विचारणीय परिचर्चा



ब्रजेश मिश्रा,

गाँव की पगडंडी से लेकर शहर की चमकती सड़कों तक, जिंदगी का ढंग तेजी से बदल रहा है। खेती के तौर-तरीके बदल रहें है, कारोबार बढ़ रहें हैं, राजनीति का दायरा फैला और लोगों की जरूरतें भी बढ़ीं। लेकिन इस बदलाव के बीच एक सवाल लगातार सिर उठाता है—क्या हमने आगे बढ़ने की होड़ में अपने सामाजिक दायित्वों को पीछे छोड़ दिया है? आज चिंता केवल किसी एक समस्या की नहीं, बल्कि उस सोच की है, जिसमें अपना फायदा पहले और समाज का हित बाद में दिखाई देने लगा है।

गाँव में कभी किसी सार्वजनिक काम को पूरे समाज की जरूरत समझा जाता था। पर आज सार्वजनिक हित से जुड़े फैसलों पर निजी स्वार्थ हावी होने की शिकायतें सुनाई देती हैं। राजनीति में भी जनता की अपेक्षा यही रहती है कि उसके प्रतिनिधि अपने स्वार्थ और आपसी खींचतान से ऊपर उठकर क्षेत्र की समस्याओं पर ध्यान दें। चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे होते हैं, मगर असली परीक्षा तब होती है, जब गाँव की सड़क, अस्पताल, विद्यालय और रोजगार जैसे सवाल सामने आते हैं। जनता को अब यह देखना होगा कि चर्चा कितनी हुई और इससे आगे बढ़कर काम कितना हुआ।

इसी तरह सरकारी योजनाओं और सार्वजनिक निर्माण का लाभ तभी सार्थक है,जब उसका असर जमीन पर दिखाई दे। किसी सड़क का बनना खबर हो सकता है,लेकिन उसका वर्षों तक ठीक-ठाक रहना जनता की असली जरूरत है। निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी या रखरखाव की कमी का खामियाजा अंतत: ग्रामीणों को भुगतना पड़ता है। इसलिए विकास के साथ निगरानी और जवाबदेही भी उतनी ही जरूरी है। जनता के धन का इस्तेमाल जनहित में हुआ या नहीं, यह पूछना उसका अधिकार है।

जिम्मेदारी का सवाल बाजार में भी उतना ही महत्वपूर्ण है। गाँव का आम परिवार अपनी सीमित आमदनी में घर चलाता है। वह रोजमर्रा का सामान खरीदते समय यह उम्मीद करता है कि उसे सही कीमत पर सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण वस्तु मिलेगी। यदि मिलावट या घटिया सामान के कारण उसके परिवार के स्वास्थ्य पर असर पड़ता है, तो नुकसान केवल आर्थिक नहीं रहता। कारोबार में लाभ जरूरी है, लेकिन ग्राहक का विश्वास उससे भी बड़ी पूँजी है। व्यापारियों की ईमानदारी और सम्बंधित विभागों की प्रभावी निगरानी,दोनों मिलकर ही उपभोक्ता के हितों की रक्षा कर सकते हैं।

इन समस्याओं के बीच सामाजिक रिश्तों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। परिवार और पड़ोस में बढ़ते मतभेद कई बार छोटी बातों से शुरू होकर लंबे विवाद का रूप ले लेते हैं। मतभेद होना स्वाभाविक है,लेकिन मन-भेद के साथ संवाद की जगह अहंकार और समझौते की जगह जिद ले ले,तो रिश्ते कमजोर पड़ने लगते हैं। गाँव का समाज तभी मजबूत रह सकता है, जब लोग एक-दूसरे की बात सुनें,जरूरत के समय साथ दें और असहमति के बावजूद आपसी सम्मान बनाए रखें।

इन तमाम मुद्दों को देखें तो साफ होता है कि बेहतर समाज बनाने के लिए केवल व्यवस्था में सुधार पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी समझना होगा। जनप्रतिनिधियों को जनता के प्रति जवाबदेह रहना होगा,अधिकारियों को काम की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी और व्यापारियों को उपभोक्ता के हितों का ध्यान रखना होगा। वहीं आम लोगों को भी गलत कामों के प्रति जागरूक रहकर उचित मंच पर आवाज उठानी होगी।

समाज की असली परीक्षा इस बात से होती है कि उसका सबसे कमजोर व्यक्ति कितना सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट है। यदि विकास का लाभ आखिरी व्यक्ति तक नहीं पहुँचता,सार्वजनिक धन से बने काम टिकाऊ नहीं होते और बाजार में ग्राहक का भरोसा सुरक्षित नहीं रहता, तो हमें अपनी प्राथमिकताओं पर फिर से विचार करना होगा।

गाँव की भाषा में कहें तो समाज की गाड़ी एक पहिए से नहीं चलती। इसमें सरकार, प्रशासन, व्यापारी और आम नागरिक—सभी की भूमिका है। कोई एक अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटेगा,तो असर सब पर पड़ेगा। इसलिए जरूरत केवल शिकायत करने की नहीं,बल्कि अपने-अपने हिस्से का दायित्व निभाने की है। जिस दिन हम यह समझ लेंगे कि समाज का भला ही अंतत: हमारे अपने जीवन का भला है,उसी दिन बदलाव की राह सचमुच आसान होने लगेगी।

संक्षिप्त समाचार

डीएम ने विशेष मतदाता पंजीकरण शिविर का किया निरीक्षण

अमेठी,। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर शनिवार को अमेठी के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष मतदाता पंजीकरण शिविर लगे। जिला निर्वाचन अधिकारी और डीएम शशांक चौधरी ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय देवीपाटन में एक शिविर का जायजा लिया। डीएम ने बीएलओ से आवेदनों की जानकारी ली और अभियान को गंभीरता से चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने युवाओं, महिलाओं और छूटे लोगों का पंजीकरण सुनिश्चित करने पर खास जोर दिया। डीएम ने कहा कि लोकतंत्र के लिए मतदाता सूची का सही होना जरूरी है। उन्होंने घर-घर जाकर योग्य युवाओं, महिलाओं और छूटे मतदाताओं को पंजीकरण के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए, ताकि हर पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल हो सके।

बस की टक्कर से बाइक सवार दो बुजुर्गों की मौत

अमेठी । जगदीशपुर में भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना क्षेत्र के कादूनाला पुलिस चौकी के पास शनिवार सुबह करीब 9रू45 बजे एक अज्ञात बस ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर घायल हो गए, जिनकी सुल्तानपुर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, प्लैटिना मोटरसाइकिल (यूपी 36 यू 2292) पर विक्रमजीत सिंह (65) पुत्र गणेश सिंह (निवासी पूरे बाबा, भेटुआ) और सूर्य नारायण पांडेय (60) पुत्र बृजमोहन (निवासी देवरहा बरसानी, अमेठी) सवार थे। वे सड़क पार कर रहे थे, तभी सुल्तानपुर की ओर से आ रही बस ने उन्हें टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायलों को सीएचसी मुसाफिरखाना पहुंचाया। वहां से उन्हें सुल्तानपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक अजेयंद्र पटेल ने बताया कि दोनों घायलों की जिला अस्पताल सुल्तानपुर में मौत हो गई है। मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

डीएपी खाद पहुंचते ही किसानों की भीड़ उमड़ी, किसानों के चेहरे खिले

अमेठी । जिले के आईएफएफडीसी कृषक सेवा केंद्र पंडित का पुरवा में शनिवार सुबह 500 बोरी डीएपी खाद पहुंची। खाद आते ही किसानों की भारी भीड़ उमड़ गई। बुवाई की तैयारी कर रहे किसानों को खाद मिलने से राहत मिली। कृषक सेवा केंद्र की प्रभारी सुभासिनी श्रीवास्तव ने बताया कि खाद की खेप पहुंचते ही विभागीय अधिकारियों से संपर्क कर औपचारिकताएं पूरी की गईं। इसके बाद किसानों को खाद का वितरण तुरंत शुरू करा दिया गया। केंद्र पर डीएपी खाद 1350 रुपये प्रति बोरी की सरकारी दर पर मिल रही है। सरकारी दर पर खाद मिलने से किसानों के चेहरे खिल गए।

मनाया गया फसल दिवस, बेहतर उत्पादन के तरीके बताए

अमेठी। इन्हौना में दवा, खाद और बीज भंडार पर निजी कंपनी इंदोरामा कंपनी ने फसल दिवस मनाया। इस मौके पर एक बैठक हुई, जिसमें फसल सुरक्षा, ग्राहक सेवा और खेती से जुड़े समाधानों पर बात की गई। कार्यक्रम का मकसद किसानों को फसलों की अच्छी देखभाल, सुरक्षा के तरीके और खेती की समस्याओं के हल के बारे में बताना था। बैठक में फसलों को सुरक्षित रखने और बेहतर उत्पादन के लिए सही तरीकों पर जोर दिया गया। इस कार्यक्रम में राम किशोर त्रिवेदी, देव शंकर, पुती महाराज, प्रेम सिंह, समीम, गोविंद गुप्ता, सौरभ यादव और रितेश वर्मा समेत कई लोग मौजूद थे।

माधौगण कस्बा मैं झोला छाप डॉक्टरों की भरमार

संवाददाता

माधौगण जालौन। माधौगण कस्बा मैं आजकल बिना डिग्री के झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार गरीबों का चूस रहे हैं खून जिसकी जांच सक्षम अधिकारियों को सौंपी गई थी एक साल से अधिक हो गया कोई कार्य वाही नहीं की गई केवल जांच चल रही है देखना यह है कि जांच को अपना ठिकाना मिलता है या जांच चलती ही रहेगी जबकि ऐसे मामलों में सरकार को संज्ञान में लेते हुए जांच का दायरा निश्चित किया जाए क्योंकि सालों गुजर जाते हैं और जांच अपने मुकाम तक नहीं पहुंच पाती है वह चलती ही रहती है ऐसे ही कस्बा में अन्य डॉक्टर जैसे बंगाली एवं कमल राय जो बिना डिग्री किये ही खुलेआम अपने को डॉक्टर बता कर डॉक्टरी कर रहे हैं कस्बा के डॉक्टर कमल राय से जब मीडिया कर्मियों ने उनके डिग्री के बारे में जानकारी ली तो उनका कहना था कि हम बिना डिग्री के ही डॉक्टरी कर रहे हैं हमारा यहां पर इतना रुतबा है कि ना तो कोई सांसद ना विधायक और ना ही कोई प्रभारी चिकित्सा निरीक्षक हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता है जबकि डॉक्टर साहब को जानकारी भी नहीं है कि किस मर्ज पर कौन दवाई दी जाए फिर भी अपने को डॉक्टर बात कर खुलेआम गरीबों के साथ जिस तरीके से अन्याय हो रहा है जबकि इसकी शिकायत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी मनीष राजपूत से की गई तो उन्होंने शक्त आदेश दिया कि झोलाछाप डॉक्टरो पर सख्त कार्रवाई होगी जबकि कस्बा के झोलाछाप डॉक्टरों ने पहले भी कई मरीजों के ऐसे इंजेक्शन लगाए जिनकी जान पर आफत आ गई और इसका विरोध भी हुआ लेकिन वह अपनी दबंगई की दम पर डॉक्टरी कर रहे हैं

थाना समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, 10 में से 4 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

♦ शेष शिकायतों के लिए पुलिस-राजस्व की संयुक्त टीमें गठित, निष्पक्ष एवं समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश, थाना कोतवाली आटा का भी किया निरीक्षण

संवाददाता



उरई (जालौन)। जिलाधिकारी समीर व पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत ने शनिवार को थाना आटा में आयोजित थाना सम्पूर्ण समाधान दिवस में दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनीं। प्राप्त 10 शिकायतों में से 4 का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष 6 शिकायतों के प्रभावी समाधान के लिए पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें गठित कर मौके पर भेजी गईं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों की बात सुनें और प्रत्येक प्रकरण में नियमानुसार निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए तथा फरियादियों को समयबद्ध तरीके से राहत उपलब्ध कराई जाए। पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि फरियादियों की शिकायतों को संवेदनशीलता और गंभीरता से सुनते हुए निष्पक्ष कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि पुलिस एवं राजस्व विभाग आपसी समन्वय से मामलों का निस्तारण करें, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। कानून-व्यवस्था एवं जनसुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। थाना समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी समीर व पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत ने थाना कोतवाली आटा का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने आकस्मिक निरीक्षण कर एआरटीओ कार्यालय की पत्रावलियां जांची

अमेठी,24 अक्टूबर 2026 (यूएनएस)। जिलाधिकारी शशांक चौधरी ने शनिवार को शाम 4 बजे एआरटीओ कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने लाइसेंस जारी करने, कर वसूली, वाहन पंजीकरण व फिटनेस की समीक्षा की। लाइसेंस फाइलों में खामियां मिलने पर डीएम ने नाराजगी जताई। डीएम ने कार्यालय में मौजूद लोगों से बात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने निर्देश दिया कि टेस्टिंग आवेदकों की फाइल में फोटो और टेस्टिंग रिपोर्ट अनिवार्य है। सितंबर के 10 लाइसेंसों की फाइलों में भी गड़बड़ी मिली। कई महीनों से लंबित आशुतोष सिंह के लाइसेंस मामले पर डीएम ने वरिष्ठ सहायक संजय सिंह को फटकार लगाई। एआरटीओ महेंद्र बाबू गुप्ता को उसी दिन टेस्टिंग कराकर लाइसेंस जारी करने और संजय सिंह पर कार्रवाई के निर्देश दिए। कर वसूली की समीक्षा में 312 आरसी जारी होने की जानकारी मिली। डीएम ने जल्द वसूली के

ऑनलाइन गेम में 1.12 लाख हारा डिलीवरी बॉय,रची लूट की झूठी कहानी, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता



आगरा। आगरा में ऑनलाइन गेम में 1.12 लाख रुपये हारने के बाद अमेजन के एक डिलीवरी बॉय ने लूट की झूठी कहानी गढ़ दी। कंपनी के कैश कलेक्शन की रकम जमा करने से बचने के लिए उसने खुद से 95 हजार रुपये और मोबाइल फोन लूटे जाने की शिकायत पुलिस से की। हालांकि, सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों की जांच में उसकी कहानी झूठी निकली। ट्रांस यमुना थाना पुलिस ने शिकायतकर्ता अंशुल को ही गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, अंशुल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके साथ लूट की वारदात हुई है। उसने 95 हजार रुपये नकद और एक मोबाइल फोन लूटे जाने की बात कही थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और दूसरे साक्ष्यों की पड़ताल की। जांच के दौरान शिकायतकर्ता की बताई कहानी संदिग्ध लगी। इसके बाद पुलिस ने अंशुल से पूछताछ की, जिसमें कथित तौर पर उसने लूट की झूठी सूचना देने की बात स्वीकार कर ली। पूछताछ में सामने आया कि अंशुल ऑनलाइन एविएटर गेम खेलता था। इसमें वह 1,12,800 रुपये हार गया था। इसके बाद कंपनी के कैश कलेक्शन की रकम जमा करने से बचने के लिए उसने लूट की झूठी कहानी तैयार की। पुलिस का दावा है कि अंशुल ने खुद को चोट पहुंचाई और कपड़े फाड़कर लूट की वारदात का नाटक किया, ताकि उसकी कहानी सच लगे और पुलिस को उस पर शक न हो। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वीवो कंपनी का मोबाइल फोन और 5,610 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, मोबाइल की जांच में ऑनलाइन गेम खेलने और उसमें 1,12,800 रुपये हारने से संबंधित साक्ष्य भी मिले हैं। ट्रांस यमुना थाना पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए अंशुल को गिरफ्तार कर लिया

भाजपा के जनप्रतिनिधियों द्वारा अपनी फोटो लगाकर पास वितरित करने के मामले में कांग्रेस ने दी तहरीर

संवाददाता

वाराणसी । भारतीय वायुसेना के एयर शो को लेकर भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने फोटो लगाकर पास वितरित किए जाने के मामले में महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने शनिवार को कोतवाली थाने पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक को तहरीर दी। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए एफआईआर दर्ज करने तथा दोषी पाए जाने वाले जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और गौरव के नाम पर किसी भी राजनीतिक दल या जनप्रतिनिधि द्वारा अपना व्यक्तिगत प्रचार करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। सेना पूरे देश की है और उसका सम्मान किसी राजनीतिक दल की जागीर नहीं हो सकता। महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने कहा कि भारतीय सेना के जवान दिन-रात देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं। उनके अदम्य साहस, अनुशासन, त्याग और बलिदान के कारण ही देश का प्रत्येक नागरिक अपने घरों में सुरक्षित जीवन व्यतीत करता है। देश की रक्षा के लिए सैनिक अपने परिवारों से दूर रहकर कठिन परिस्थितियों में डटे रहते हैं। ऐसे में सेना के शौर्य और पराक्रम की जितनी प्रशंसा की जाए, वह कम



घर-घर सर्वे से लेकर अभिलेखों तक, SIR में बीएलओ के सटीक दस्तावेजीकरण की जिलाधिकारी ने की सराहना

♦ पात्र मतदाताओं की पहचान, मृतक एवं शिफ्टेड मतदाताओं का व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार करने में बीएलओ की भूमिका अहम

संवाददाता



उरई (जालौन)। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR) अभियान के दौरान जनपद में रेशमा खातून बूथ संख्या 336, रानी देवी बूथ संख्या 337 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी एवं अद्यतन बनाने के लिए किए गए व्यवस्थित दस्तावेजीकरण की जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी समीर ने सराहना की। बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी एकत्र करने के साथ पात्र मतदाताओं, मृतक एवं अन्यत्र शिफ्ट हो चुके मतदाताओं से संबंधित विवरणों का व्यवस्थित अभिलेखीकरण किया गया है। पुनरीक्षण कार्य के दौरान बीएलओ ने घर-घर संपर्क कर मतदाताओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी जुटाई तथा प्राप्त विवरणों को अभिलेखों में दर्ज किया। इससे मतदाता सूची में नामों की शुद्धता सुनिश्चित करने, पात्र नागरिकों के नाम शामिल कराने और मृतक अथवा स्थानांतरित मतदाताओं से संबंधित प्रविष्टियों के नियमानुसार सत्यापन एवं संशोधन में सहायता मिलती है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना निष्पक्ष निर्वाचन की महत्वपूर्ण आधारशिला है। इसलिए पुनरीक्षण के दौरान प्रत्येक जानकारी का सावधानीपूर्वक सत्यापन और उचित दस्तावेजीकरण आवश्यक है। उन्होंने निर्वाचन कार्य में लगे कार्मिकों के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताते हुए पारदर्शिता एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप कार्य करने पर जोर दिया। स्ट्रक्र अभियान के अंतर्गत बीएलओ द्वारा किया गया यह व्यवस्थित प्रयास मतदाता सूची की विश्वसनीयता बढ़ाने और निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

अशोक चाहर बने किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष

आगरा। मलपुरा के गांव बाद स्थित एचडी गार्डन में नए बने भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष अशोक चाहर का ग्रामीणों ने स्वागत किया। ग्रामीणों ने उन्हें माला और साफा पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी और अच्छे कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अशोक चाहर ने कहा कि किसानों की समस्याओं का हल उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। वे गांव-गांव जाकर किसानों से बात करेंगे, उनकी परेशानी सुनेंगे और अधिकारियों से मिलकर उनका समाधान कराएंगे। उन्होंने कहा कि किसानों की आवाज प्रशासन तक पहुंचाकर उनके हितों के लिए लगातार काम किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन लाखन सिंह फौजी ने किया, जबकि थान सिंह मास्टर ने अध्यक्षता की। इस दौरान पूर्व प्रधान मानसिंह, गौरव प्रधान, डॉ. महावीर, जोगेंद्र सिंह, सतेंद्र फौजी, अंगद सिंह, धर्मेंद्र सिंह, जगदीश सिंह, राधेश्याम, श्याम सिंह, ब्रजवीर सिंह, जसवीर सिंह, सोनवीर फौजी और विक्रम

कार डिवाइडर तोड़कर पलटी, युवक की मौत

संवाददाता



आगरा। फतेहाबाद में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शनिवार तड़के करीब 4 बजे एक कार अनियंत्रित होकर मध्य डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी तरफ जाकर पलट गई। हादसे में कार में सवार बिहार निवासी युवक शैलेष की मौत हो गई, जबकि कार चालक भास्कर घायल हो गया। सूचना पर पहुंची टोल प्लाजा की एंबुलेंस ने घायल चालक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) फतेहाबाद पहुंचाया। वहीं, मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए आगरा भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार को भास्कर पुत्र मनोरथ सिंह निवासी ईस्ट बिनोद नगर, मयूर विहार, दिल्ली चला रहा था। कार में उसका दोस्त शैलेष पुत्र स्वर्गीय फागुनी महतो निवासी बिहार भी सवार था। दोनों दोस्त दिल्ली से बिहार के पटना जा रहे थे। इसी दौरान किलोमीटर 26800 के पास उनकी कार हादसे का शिकार हो गई। घायल चालक भास्कर ने बताया कि वे दोनों कार से पटना जा रहे थे। रास्ते में बगल से गुजर रहे एक अज्ञात ट्रक की चपेट में कार आ गई। इससे कार का संतुलन बिगड़ गया और वह मध्य डिवाइडर से टकराकर दूसरी तरफ जाकर पलट गई। हादसे में उसके दोस्त शैलेष की मौत हो गई, जबकि उसे चोटें आईं। भास्कर ने बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान वह अपने दोस्त शैलेष के परिवार को बिहार छोड़कर आया था। अब दोनों दोस्त उसके परिवार को लेने के लिए बिहार जा रहे थे, लेकिन रास्ते में हादसा हो गया। भास्कर ने बताया कि वह प्रॉपर्टी के कारोबार से जुड़ा है, जबकि उसका दोस्त शैलेष कंस्ट्रक्शन ठेकेदारी का काम करता था। हादसे की सूचना पर टोल प्लाजा-27 की एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल चालक को सीएचसी फतेहाबाद भेजा। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए आगरा भेज दिया। वहीं, क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की मदद से थाना फतेहाबाद पहुंचाया गया। हादसा किलोमीटर 26800 के पास हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नींद आने और तेज रफ्तार के कारण कार अनियंत्रित हो गई। कार मध्य डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में पलट गई।

मंगलपुर में संदिग्ध हालात में हो रही मौतें, अब बीमारी की जांच करने पहुंची टीम

संवाददाता



वाराणसी। काशी विद्यापीठ ब्लॉक के मंगलपुर गांव में पिछले एक महीने से मलेरिया, डेंगू और टाईफाइड बुखार से हो रही लगातार मौत से शनिवार को प्रशासन की नींद टूटी। आनन-फानन में स्वास्थ्य विभाग, ग्राम पंचायत और सफाई विभाग की संयुक्त टीमें गांव पहुंचीं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में डोर-टू-डोर सर्वे कर लोगों के स्वास्थ्य की जांच की और डेंगू, टायफाइड व मलेरिया की पुष्टि के लिए सैंपल लिए। वहीं सफाईकर्मियों ने पूरे गांव में एंटी लार्वा का छिड़काव और फॉगिंग की। नालियों की सफाई भी कराई गई। सीएचसी मिसिरपुर के डॉ. एन.के. भारती के नेतृत्व में एएनएम बिंदु देवी, एएनएम किरण देवी और आशा कार्यकर्ताओं की टीम ने जांच अभियान चलाया। पहले दिन करीब 100 से ज्यादा संदिग्ध मरीजों के ब्लड सैंपल लिए गए हैं। टीम ने बताया कि सैंपलों की रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। गांव की कुल आबादी करीब 7000 है और हर घर में कोई न कोई बुखार से पीड़ित है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। गुलाम रब्बानी (70 वर्ष) की मौत, बेटे इरशाद ने बताया कि उनके पिता एक हफ्ते से तेज बुखार से पीड़ित थे। सेंट मैरी हॉस्पिटल में इलाज कराया, लेकिन एक दिन दवा खाने के बाद ही उनकी मौत हो गई। डॉक्टर ने रिपोर्ट में डेंगू और लिवर में सूजन की बात कही। परिवार की अम्मा नगीना (57 वर्ष) भी अभी बुखार से पीड़ित हैं। इरशाद का आरोप है कि उन्होंने एएनएम से लेकर प्रधान तक कई बार छिड़काव के लिए कहा, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। मौतों के बाद ही विभाग जागा है। जुलेखा उर्फमद्दर (53 वर्ष) की मौत भाई अब्दुल करीम ने बताया कि उनकी बहन को ठंड लगकर तेज बुखार आया था। 30 सितंबर को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां 2 अक्टूबर को उनकी मौत हो गई। अस्पताल की रिपोर्ट में है। परिजन ने बताया कि सितंबर में उनके पूरे परिवार के लोग बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती हुए थे।

जमालूद्दीन (33 वर्ष) की मौत पिता कलीम अंसारी ने बताया कि बेटे को अचानक तेज बुखार आया। जांच में डेंगू की पुष्टि हुई। मोढ़ैला के विवेक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां 2 दिन इलाज के बाद 20 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई। मृतक के दो बच्चे, 5 साल की बेटी और 8 साल का बेटा भी डेंगू से पीड़ित होकर भर्ती हुए थे।

कुशीनगर पहुंचे सांसद मनोज तिवारी, बोले—2027 में फिर बनेगी योगी सरकार

● रामकोला धाम में परमहंस परमानंद जी महाराज के प्राकट्योत्सव पर भव्य भजन संध्या का आयोजन, विपक्ष पर भी साधा निशाना

पूर्वांचल की विरासत
(अभय पाण्डेय)



रामकोला/कुशीनगर। कुशीनगर जिले के रामकोला स्थित विश्व सनातन दर्शन मंदिर, रामकोला धाम में श्रीश्री 1008 परमहंस परमानंद जी महाराज के प्राकट्योत्सव पर भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली से भाजपा सांसद एवं भोजपुरी गायक-अभिनेता मनोज तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने संतों का आशीर्वाद लिया और भक्ति कार्यक्रम में सहभागिता की। इस दौरान भक्ति गीतों और श्रद्धालुओं की मौजूदगी से पूरा परिसर भक्तिमय नजर आया।

कार्यक्रम में रामकोला विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनय प्रकाश गौड़, आयोजन के व्यवस्थापक एवं संरक्षक रंगनाथ बाबा, पार्टी पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

35 वर्ष पुराना बताया आध्यात्मिक जुड़ाव

रामकोला धाम में पहली बार पहुंचने पर सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि उनका परमहंस परमानंद जी महाराज और काशी स्थित परमहंस आश्रम से पुराना आध्यात्मिक जुड़ाव रहा है। उन्होंने बताया कि करीब 35 वर्ष पहले वह काशी स्थित परमहंस आश्रम गए थे। रंगनाथ बाबा के आग्रह पर रामकोला धाम पहुंचने का अवसर मिला। यहां श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या और आयोजन की व्यवस्था देखकर उन्होंने प्रसन्नता जताई।

एसआईआर और विपक्ष के प्रदर्शन पर उठाए सवाल

एसआईआर को लेकर विपक्ष के विरोध-प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए मनोज तिवारी ने कहा कि सड़क पर प्रदर्शन करने से चुनावी जीत सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि जनता का विश्वास जीतना जरूरी है। उन्होंने लोकतंत्र में अपनी बात रखने के लिए संवाद और बातचीत को महत्वपूर्ण बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में एक बार फिर योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और निर्दोषों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।

अखिलेश यादव के बयान पर दी प्रतिक्रिया

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के 'वोट चोर विश्वविद्यालय' संबंधी बयान पर पलटवार करते हुए मनोज तिवारी ने पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल और मौजूदा सरकार के कामकाज की तुलना करने की बात कही। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों को लेकर आजम खां, अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी का उल्लेख किया तथा सार्वजनिक धन के इस्तेमाल पर सवाल उठाए।

उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार में प्रदेश की जनता भयमुक्त होकर आगे बढ़ रही है और सड़क, आवास सहित विभिन्न जनसुविधाओं के विकास पर काम हो रहा है। मथुरा से जुड़े मुद्दों पर भी उन्होंने अखिलेश यादव को अपनी बात रखने की सलाह दी।

भोजपुरी को संवैधानिक मान्यता का मुद्दा भी चर्चा में

भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के सवाल पर भी मनोज तिवारी ने अपनी राय रखी। भोजपुरी भाषा और संस्कृति से जुड़े इस मुद्दे को लेकर लोगों की उम्मीदें लंबे समय से बनी हुई हैं। रामकोला धाम में आयोजित प्राकट्योत्सव धार्मिक आस्था और भक्ति का प्रमुख आकर्षण रहा। वहीं, सांसद मनोज तिवारी के राजनीतिक बयानों के कारण कार्यक्रम के दौरान प्रदेश की राजनीति, एसआईआर और भोजपुरी भाषा को संवैधानिक मान्यता देने

रामकोला धाम में मनोज तिवारी के भजनों पर झूमे श्रद्धालु



परमहंस परमानन्द जी महाराज के प्राकट्योत्सव पर सजी भव्य भजन संध्या, संतों की झांकी, कुश्ती दंगल और विशाल भंडारे का भी हुआ आयोजन

पूर्वांचल की विरासत

रामकोला/कुशीनगर।(अभय पाण्डेय)भोजपुरी गायक एवं सांसद मनोज तिवारी के भजनों से रामकोला धाम स्थित सनातन विश्व दर्शन मंदिर का वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्री श्री 1008 परमहंस परमानन्द जी महाराज के प्राकट्योत्सव के अवसर पर आयोजित भव्य धार्मिक कार्यक्रम में मनोज तिवारी ने अपने लोकप्रिय देवी गीतों और भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भजन संध्या के दौरान उन्होंने प्रसिद्ध देवी गीत %निमिया के डाढ़ मइया झूलेली झुलुआ सहित कई भक्ति गीत प्रस्तुत किए। उनके गीतों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। कार्यक्रम में उन्होंने संत-महात्माओं के सम्मान में भी गीत प्रस्तुत किए। आयोजन ने धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक उत्साह का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मंदिर के महंत रंगनाथ महाराज, कुशीनगर के सांसद विजय कुमार दूबे,देवरिया से सिद्धार्थ मणी त्रिपाठी,रामकोला के विधायक विनय कुमार गौड़ समेत अनेक संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

शिक्षक निर्वाचन में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ मतदान

जनपद में हुआ 84.15 प्रतिशत मतदान



पूर्वांचल की विरासत

(अभय पाण्डेय)कुशीनगर

गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के अंतर्गत जनपद कुशीनगर में शुक्रवार को मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। निष्पक्ष, पारदर्शी एवं निर्विघ्न मतदान संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।

जनपद में कुल 15 मतदान केंद्र बनाए गए थे, जहां 3496 शिक्षक मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करना था। मतदान प्रात: 8 बजे से प्रारंभ होकर शाम 4 बजे तक चला। मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था एवं मतदान प्रक्रिया का जायजा जिलाधिकारी संजय चौहान एवं पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने ब्लॉक पडरौना, नगर पालिका पडरौना, ब्लॉक रामकोला एवं कसानगंज स्थित मतदान केंद्रों का जायजा लिया। इस दौरान मतदान कार्मिकों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ मतदान संपन्न कराने के निर्देश दिए गए। दोपहर 2 बजे तक 71.48 प्रतिशत तथा शाम 4 बजे मतदान समाप्त होने तक जनपद में कुल 84.15 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जनपद में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ तथा किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। मतदान समाप्त होने के बाद मतपेटियों को निर्धारित स्थल कलेक्ट्रेट सभागार लाया गया, जहां से राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संबंधित अधिकारियों एवं मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में मतपेटियों को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर भेजा जाएगा, जहां

आवास योजना की जांच, जीपीएस से टैगिंग

देवरिया मदनपुर। नगर पंचायत में आवास योजना और विकास कार्यों में अनियमितता की शिकायतों पर शनिवार को आठ सदस्यीय उच्च स्तरीय जांच टीम ने स्थलीय निरीक्षण किया। टीम ने विभिन्न वार्डों में आवास, सड़कों, नालियों और सार्वजनिक कुओं की स्थिति परखी। जांच में पारदर्शिता के लिए जीपीएस से जियो-टैगिंग के साथ फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी कराई गई। तहसीलदार अरुण यादव के नेतृत्व में टीम ने निर्माण कार्यों के एस्टीमेट और मौके पर हुए काम का मिलान किया। जांच में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अपात्रों को लाभ देने और सड़क-नाली निर्माण में मानकों की अनदेखी की शिकायतों को ध्यान में रखा गया। मौके पर मौजूद स्थानीय नागरिक बेलाल शेख, अरुण सिंह, धर्मराज यादव और अमरेंद्र सिंह ने भी अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं।

संक्षिप्त समाचार

चौरीचौरा के संपत ने बिहार के जितेंद्र को दी पटकनी

मथौली। स्थानीय नगर पंचायत के वार्ड नंबर-08 इंद्रा नगर (बहुआस) स्थित श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में शनिवार को दंगल में 35 जोड़ी पहलवानों ने दमखम दिखाया। दंगल के बाद कमेटी के सदस्यों की ओर से रावण के पुतले का दहन किया गया। दंगल में चौरी चौरा के संपत ने बिहार प्रांत नवगांव के जितेंद्र पहलवान को पटकनी दी। वहीं मठिया के विशाल ने कुशीनगर के राम प्रताप, पडरौना के रामदेव ने देवरिया के पवन पहलवान और रामकोला के विकास को चित्त किया। इसके अलावा अकटहा के सतेंद्र ने कसानगंज के मुकेश पहलवान को हराया। इसके पहले दंगल का शुभारंभ चेयरमैन प्रतिनिधि मनीष सिंह ने फीता काटकर किया। दंगल में कुल 35 जोड़ी पहलवान पंजीकरण कराए थे लेकिन सिर्फ 27 जोड़ी पहलवान ही जोर-आजमाइश किए। रेफरी की भूमिका तूफानी व रमायन यादव ने निभाई। इस मौके पर चेयरमैन नौरंग सिंह, अंबिका गुप्ता, संजय यादव, दुर्गेश सिंह, राकेश आदि लोग मौजूद रहे।

राजन और आदर्श के करीबियों पर पुलिस की नजर, कई युवक भूमिगत

कुशीनगर। हिस्ट्रीशीटर राजन और आदर्श से जुड़े युवकों की गतिविधियां पुलिस के रडार पर हैं। दोनों के संपर्क में रहने वाले कई युवक भूमिगत हो गए हैं। पुलिस उनकी कुंडली खंगालने के साथ ही सोशल मीडिया पर उनकी सक्रियता और आपसी संपर्कों की पड़ताल कर रही है। इसके लिए साइबर सेल की भी मदद ली जा रही है। मामले की जांच में पुलिस जुटी हुई है। पुलिस की जांच में राजन और आदर्श से जुड़े सैकड़ों युवकों के नेटवर्क की जानकारी सामने आई है। इनमें कई युवक सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन युवकों का दोनों हिस्ट्रीशीटरों से किस तरह का संपर्क रहा है और उनकी गतिविधियां क्या हैं। सोशल मीडिया पर की जा रही पोस्ट, आपसी संवाद और संपर्कों के आधार पर नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने की कोशिश की जा रही है। हाल के घटनाक्रम के बाद पुलिस की निगरानी बढ़ने से इन युवकों में हलचल है। कुछ युवकों के भूमिगत होने से पुलिस का शक और गहरा गया है। हालांकि किसी युवक का संपर्क में होना या भूमिगत होना अपने आप में अपराध में संलिप्तता का प्रमाण नहीं है। पुलिस उनकी भूमिका की अलग-अलग जांच कर रही है। साइबर सेल की मदद से डिजिटल गतिविधियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। पुलिस का उद्देश्य हिस्ट्रीशीटरों के संपर्क में रहने वाले युवकों की पहचान कर उनके नेटवर्क को समझना और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों तक पहुंचना है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

मारपीट और हत्या की कोशिश की आपराधिक कार्रवाई हाईकोर्ट से निरस्त

देवरिया। भाटपाररानी थाने में वर्ष 2019 में दर्ज मारपीट और हत्या की कोशिश से जुड़ी आपराधिक कार्रवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निरस्त कर दी है। हाईकोर्ट के नौ अक्तूबर के आदेश का अनुपालन करते हुए अपर सत्र न्यायालय ने संबंधित पत्रावली दाखिल दफ्तर करने का आदेश दिया। भाटपाररानी थाने में दर्ज अपराध संख्या 29/2019 की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट नरेंद्र नाथ त्रिपाठी की अदालत में चल रही थी। सत्र परीक्षण संख्या 232/2026 में अभय कुमार उर्फ गांधी समेत छह आरोपी थे। सुनवाई के दौरान आरोपी अभय कुमार उर्फ गांधी, रोहित यादव, रितेश प्रताप यादव, मृत्युंजय यादव, अश्वनी उर्फ सनी और शैलेश उर्फ गोल्डन अदालत में उपस्थित हुए। आरोपियों की ओर से प्रार्थनापत्र और शपथपत्र के साथ हाईकोर्ट के नौ अक्तूबर 2026 के आदेश की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत की गई।

मंडलीय खेल प्रतियोगिता में कुशीनगर का दबदबा, हॉकी और वॉलीबाल में मारी बाजी



पूर्वांचल की विरासत

पडरौना। रविंद्रनगर स्थित जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में शनिवार को मंडलीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता और जनपदीय स्काउट-गाइड बैंड प्रतियोगिता हुई। इसमें कुशीनगर के खिलाड़ियों ने वॉलीबॉल और हॉकी में खिताब जीते। वहीं, बैंड प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अनुशासन और सामूहिक तालमेल का प्रदर्शन किया। सांसद विजय कुमार दुबे, उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य फूलबदन कुशवाहा, डीएम संजय चौहान, सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) संगीता सिंह, सीडीओ वंदिता श्रीवास्तव और बीएसए अनिल कुमार सिंह ने वॉलीबॉल खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मंडलीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। वालीबॉल के बालक वर्ग में कुशीनगर ने महाराजगंज को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। बालिका वर्ग में देवरिया की टीम विजेता रही, जबकि कुशीनगर को उपविजेता से संतोष करना पड़ा। हॉकी के बालक वर्ग में कुशीनगर ने गोरखपुर और बालिका वर्ग में देवरिया को पीछे छोड़कर खिताब अपने नाम किया। बास्केटबॉल के दोनों वर्गों में गोरखपुर की टीमों ने बाजी मारी। बालक वर्ग में महाराजगंज और बालिका वर्ग में देवरिया की टीम उपविजेता रही। कुशीनगर बॉक्सिंग प्रतियोगिता में कुशीनगर के खिलाड़ियों ने कई भार वर्गों में पदक जीते। 32 से 34 किलोग्राम भार वर्ग में दिलखुश कुमार ने पहला स्थान हासिल किया। 48 से 50 किलोग्राम भार वर्ग में श्याम कुमार ने बाजी मारी। वहीं 28 से 30 किलोग्राम में अरुण कुमार, 30 से 32 किलोग्राम में आनंद कुमार, 34 से 36 किलोग्राम में आनंद राय और 40 से 42 किलोग्राम भार वर्ग में अमित कुमार निषाद ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

शरद पूर्णिमा- चांदनी की शीतलता, आस्था की मिठास और समृद्धि की कामना

पूर्वांचल की विरासत

अभय पाण्डेय



शरद पूर्णिमा भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और आध्यात्मिक आस्था का एक विशिष्ट पर्व है। आश्विन मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह त्योहार चंद्रमा की मनमोहक चांदनी, मां लक्ष्मी की आराधना और भगवान श्रीकृष्ण की महारास लीला की स्मृतियों से जुड़ा है। वर्ष 2026 में शरद पूर्णिमा का पर्व रविवार, 25 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस अवसर पर श्रद्धालु चंद्रमा की पूजा, मां लक्ष्मी की आराधना और खीर का भोग लगाने जैसी परंपराओं का पालन करेंगे।

चांदनी रात और अमृत वर्षा की मान्यता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपनी पूर्ण कलाओं के साथ विशेष रूप से प्रकाशमान होता है। लोक परंपरा में इस रात की चांदनी को अमृततुल्य माना गया है। इसी विश्वास के चलते अनेक परिवार दूध और चावल से बनी खीर को चांदनी में रखने के बाद प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। यह परंपरा पीढ़ियों से भारतीय परिवारों की धार्मिक और सांस्कृतिक स्मृतियों का हिस्सा रही है।

मां लक्ष्मी की आराधना और समृद्धि का संदेश

शरद पूर्णिमा को *कोजागरी पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस अवसर पर मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, आर्थिक उन्नति और खुशहाली की कामना की जाती है। कई स्थानों पर श्रद्धालु रात्रि जागरण करते हैं। धार्मिक मान्यता में इस रात मां लक्ष्मी के जागरण और भक्ति का विशेष महत्व बताया गया है। वहीं, ब्रज क्षेत्र में यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण की महारास लीला से भी जुड़ा हुआ है। इस प्रकार शरद पूर्णिमा भक्ति, प्रेम, विश्वास और आध्यात्मिक आनंद का प्रतीक बन जाती है।

पर्व का वास्तविक संदेश खुशियां बांटें, जरूरतमंदों का सहारा बनें त्योहारों की सार्थकता केवल पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। शरद पूर्णिमा हमें जीवन में शांति, संतुलन, प्रेम और उदारता अपनाने की प्रेरणा भी देती है।

आज जब समाज में आर्थिक असमानता, अकेलापन और आपसी मतभेद जैसी चुनौतियां मौजूद हैं, तब इस पर्व पर हमें उन परिवारों की सहायता का संकल्प लेना चाहिए, जिनके घरों में अभाव के कारण त्योहारों की खुशियां फीकी पड़ जाती हैं। किसी जरूरतमंद को भोजन कराना, बुजुर्गों का सम्मान करना, बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाना और समाज में सद्भाव बढ़ाना भी सच्ची मानवीय सेवा है।

पर्यावरण और स्वास्थ्य का भी रखें ध्यान

शरद पूर्णिमा के अवसर पर घरों और मंदिरों में स्वच्छता बनाए रखें। खीर को चांदनी में रखने की परंपरा निभाते समय उसे धूल, कीड़ों और दूषित होने से बचाएं। दूध से बनी खाद्य सामग्री को लंबे समय तक असुरक्षित तापमान पर न छोड़ें। चंद्रमा की किरणों से विशेष स्वास्थ्य लाभ होने की धार्मिक मान्यताओं को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित तथ्य नहीं समझना चाहिए।

पूर्वांचल की विरासत की ओर से शुभकामनाएं

शरद पूर्णिमा का पावन पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन में वास्तविक समृद्धि केवल धन-संपत्ति से नहीं, बल्कि अच्छे विचारों, स्वस्थ परिवार, सामाजिक सद्भाव और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता से आती है। समस्त देशवासियों को शरद पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं। मां लक्ष्मी की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि आए तथा समाज में प्रेम, भाईचारे और मानवीय मूल्यों का प्रकाश सदैव बना रहे।

मोहन सेतु के दक्षिणी छोर पर 69 करोड़ से बनेगा एप्रोच मार्ग

पूर्वांचल की विरासत

देवरिया/ बरहज। सरयू नदी पर अधूरे पड़े मोहन सेतु के निर्माण की उम्मीद फिर जगी है। शासन ने पुल के दक्षिणी छोर पर परसियां-विशुनपुर देवार की ओर एप्रोच मार्ग और सुरक्षात्मक कार्यों के लिए करीब 69 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। लोक निर्माण विभाग ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। काम पूरा होने के बाद देवरिया और मऊ के बीच आवागमन आसान होने के साथ दियारा क्षेत्र के गांवों को पक्की सड़क से जोड़ने में मदद मिलेगी। बलिया वर्ष 2013 में 95 करोड़ रुपये की लागत से पुल का निर्माण शुरू हुआ था। 39 पिलर वाले इस पुल को वर्ष 2017 तक पूरा करने का लक्ष्य था। करीब 70 फीसदी काम होने के बाद प्राकृतिक अड़चनों और धन की कमी से निर्माण रुक गया। नदी की धारा बदलने से दक्षिणी छोर पर एप्रोच मार्ग बनाने में समस्या आई। सरयू की धारा पुल के दक्षिणी पाए से करीब 10 मीटर आगे परसियां-विशुनपुर देवार की ओर खिसक गई है। शासन के निर्देश पर आईआईटी रुड़की की तकनीकी टीम ने मॉडल स्टडी की है। विभाग ने नदी की धारा नियंत्रित करने और एप्रोच को मजबूत बनाने के लिए 192 करोड़ रुपये का नया एस्टीमेट भी भेजा था।

17 साल पुराने मारपीट के मामले में दो आरोपी दोषमुक्त

देवरिया। जमीन विवाद में दंपती से मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के 17 साल पुराने मामले में अदालत ने दो आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। अभियोजन पक्ष के दोनों गवाहों ने घटना देखने से इन्कार कर दिया। आरोप साबित नहीं होने पर अदालत ने संदेह का लाभ देते हुए दोनों को बरी कर दिया। एसीजेएम प्रफुल्ल उपाध्याय की अदालत में तरकुलवा थाना क्षेत्र के पथरदेवा निवासी चौथी और दीपक के खिलाफ सुनवाई चल रही थी। वादी बुद्धू धोबी का आरोप था कि 18 अप्रैल 2009 की सुबह जमीन विवाद में चौथी, दुखंती, दीपक, राजेश और भकोल ने घर में घुसकर उनकी और पत्नी फागुनी की पिटाई की थी। नाद तोड़ने के साथ जान से मारने की धमकी दी थी। न्यायालय के आदेश पर 27 जून 2009 को प्राथमिकी दर्ज हुई थी। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। सुनवाई के दौरान दुखंती की मौत हो गई। गवाह सुरेश प्रसाद और महातम प्रसाद ने घटना देखने से इन्कार कर दिया। अदालत ने 23 अक्तूबर को चौथी और दीपक को दोषमुक्त कर दिया।

तीन नामजद ठेकेदारों को मिली जमानत

पूर्वांचल की विरासत

बघौचघाट। पथरदेवा नगर पंचायत में टेंडर प्रक्रिया को लेकर हुए विवाद के मामले में जिला एवं सत्र न्यायाधीश धीरेंद्र प्रताप सिंह की अदालत ने शनिवार को नामजद तीन ठेकेदारों धीरज, करुणेश मिश्र और वेद दुबे की जमानत मंजूर कर ली। अदालत ने मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी किए बिना प्रत्येक आरोपी को एक-एक लाख रुपये के निजी बंधपत्र तथा समान राशि के दो जमानतदार प्रस्तुत करने की शर्त पर रिहा करने का आदेश दिया। मामला आठ अक्तूबर का है। नगर पंचायत पथरदेवा में टेंडर नहीं खोले जाने को लेकर अधिशासी अधिकारी हिमांशु प्रताप सिंह और ठेकेदारों के बीच विवाद हुआ था। नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश सिंह की सूचना पर नौ अक्तूबर को तरकुलवा थाने में जानलेवा हमला, मारपीट, धमकी और अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने अपहरण की धारा भी बढ़ा दी थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने अदालत में दलील दी कि आरोपियों को राजनीतिक प्रतिशोध के तहत झूठा फंसाया गया है। साथ ही, बताया कि इस प्रकरण में उनकी ओर से क्रॉस प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। मामले की विवेचना अभी जारी है। मुकदमे के शीघ्र निस्तारण की संभावना कम होने का हवाला देते हुए जमानत देने की मांग की गई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और उपलब्ध अभिलेखों का अवलोकन करने के बाद अदालत ने निर्धारित शर्तों के अधीन तीनों आरोपितों की जमानत मंजूर कर ली। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह आदेश मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त किए बिना पारित किया गया है।

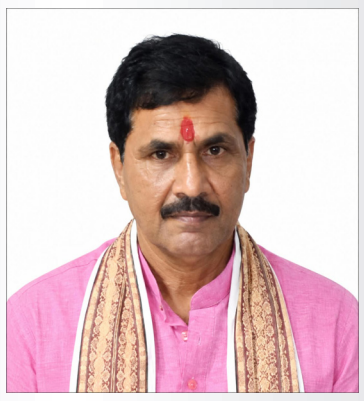


पूर्वांचल की विरासत
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
आर डी प्रिंटर्स एन्ड पब्लिसर्स प्रा. ली, बी48 सेक्टर 8 नोएडा गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रीत कराकर श्री शुकदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्यालय भठहीं खुर्द थाना चौरा खास जिला कुशीनगर से प्रकाशित
प्रधान सम्पादक
सुभाष प्रसाद त्रिपाठी
सम्पादकीय कार्यालय
शुकदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्याल भठहीं खुर्द थाना चौरा खास जनपद कुशीनगर, उत्तर प्रदेश
मो० 9454623444
9839554645
RNI NoUPHIN/26/A4139
समस्त विवादो का न्याय जनपद कुशीनगर में होगा ।

सम्पादकीय

अरुणाचल पर चीन की कुदृष्टि

ब्रिक्स समेत कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर लगातार मैत्री की बात करने वाले चीन द्वारा एलएसी पर तनाव पैदा करने की खबरें चिंता बढ़ाने वाली हैं। अरुणाचल बॉर्डर पर भारत व चीन के आमने-सामने होने की खबरों के सामने आने के बाद इस मुद्दे पर सियासत भी तेज हो गई है। दरअसल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले कुछ समय से अरुणाचल प्रदेश में आईटीबीपी के जवान व पीएलए के सैनिक आमने-सामने आए हैं।



यह स्थिति बदली नहीं है। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस व विपक्ष ने केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को लेकर सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाये जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस वर्ष जुलाई में उत्तर-पूर्वी सीमा पर तनाव शुरू होने के उपरांत पहली बार आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि हुई है। बताते हैं कि अरुणाचल प्रदेश में सुबनसिरी जिले के असाफिला और माजा इलाके में यह तनाव बना हुआ है। वहीं सीमा पर तनाव के खुलासे और विपक्षी हमलों के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा कहा गया है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिये दोनों देश लगातार प्रयासरत हैं। दोनों पक्ष महसूस करते हैं कि भारत-चीन के बेहतर रिश्ते सीमा की शांति पर ही निर्भर करते हैं। बहरहाल, अरुणाचल को भारतीय संप्रभु हिस्से के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मान्यता के बावजूद उसे दक्षिण तिब्बत कहना चीन के नापाक इरादों को ही दर्शाता है। वहीं आईटीबीपी के हालिया खुलासे में इस बात का भी जिक्र हुआ कि जुलाई से अब तक दोनों देशों के बीच तीन उच्चस्तरीय बैठकें हुई हैं, लेकिन तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जबकि इस दौरान ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने के लिये चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत भी आ चुके हैं। यही वजह है कि कांग्रेस आरोप लगा रही है कि जुलाई से सीमा पर तनाव होने की खबरों को देश से छिपाया गया है। निस्संदेह, भारत व चीन के बीच साढ़े तीन हजार किलोमीटर लंबी सीमा से जुड़े विवादों को लेकर देश चिंतित रहा है। भारतीयों के दिलों में 1962 के चीनी हमले के जख्म अभी भरे नहीं हैं। `मुंह में राम और बगल में छुरी' की चीन की नीति पर भरोसा करना संभव भी नहीं है। हाल के वर्षों में गलवान का छल देशवासियों को याद है, जब हमने अपने बीस वीर जवानों को खोया था। वहीं भारत तिब्बत सीमा पुलिस के डीजी शत्रुजीत कपूर ने वार्षिक हिमवीर सम्मान समारोह के दौरान कहा था कि अरुणाचल सीमा पर तनाव के दौरान आईटीबीपी के कमांडो मुस्तैद रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी नई गठित शौर्य कमांडो टीमों ने इस दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राजस्थान के अलवर स्थित सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में कपूर ने चीन की उन्नत सैन्य तकनीकों के मुकाबले के लिये आधुनिक हथियारों की जरूरत भी बतायी। उन्होंने स्वीकार किया कि पारंपरिक हथियारों व तरीकों से चीन का मुकाबला करना मुश्किल होगा। चीन ने बुनियादी ढांचे और हथियारों के आधुनिकीकरण में भारी निवेश किया है। आईटीबीपी के डीजी ने आधुनिक युद्धों के तौर -तरीकों में आ रहे बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि आज ड्रोन जैसी तकनीक से छोटे देश भी बड़े देशों का मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने ईरान द्वारा अमेरिका का मुकाबला करने तथा यूक्रेन द्वारा रूस को पहुंचाये जा रहे बड़े नुकसान का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि आईटीबीपी के आधुनिकीकरण के लिये चार हजार करोड़ का बजट बनाया गया है। जिसमें से एक हजार करोड़ रुपये ड्रोन शक्ति बढ़ाने पर खर्च किए जाएंगे। जिसमें एंटी ड्रोन सिस्टम मजबूत करना भी शामिल हैं। जिसके लिए ड्रोन प्लाटून बनायी गई हैं। वहीं ड्रोन पायलटों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही अपने ड्रोन खुद बनाने पर काम चल रहा है। इसके अलावा भूमिगत शेल्टर बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। आने वाले समय में भूमिगत ढांचे स्थायी सुरक्षा व्यवस्था का हिस्से होंगे। निस्संदेह, भविष्य में गलवान जैसा संघर्ष सामने न आए, उसके लिये अभी से तैयारी करने की जरूरत है।

सरकारी स्कूलों में दाखिले के बाद की चुनौती?

निमिषा सिंह

पांच साल के बच्चे के हाथ में जब पहली किताब आती है, तो उसके साथ परिवार की उम्मीदें भी स्कूल पहुंचती हैं। माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़े, आगे बढ़े और जीवन में बेहतर अवसर पाए, लेकिन क्या स्कूल में उसे ठीक से सीखने का मौका मिल रहा है? क्या वहां का माहौल उसकी उम्र और समझ के हिसाब से है? स्कूल में दाखिला मिलना एक बात है और वहां अच्छी शिक्षा मिलना दूसरी। यूनेस्को की तरफ से जारी ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग (जीईएम) रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में पांच साल के 51 प्रतिशत बच्चे पूर्व-प्राथमिक शिक्षा के बजाय प्राथमिक विद्यालयों में दाखिल हैं। यह आंकड़ा बताता है कि बड़ी संख्या में बच्चे कम उम्र में ही पहली कक्षा तक पहुंच रहे हैं। इसका यह मतलब नहीं कि इन सभी बच्चों ने पहले आंगनवाड़ी या किसी दूसरे केंद्र में पढ़ाई नहीं की। सवाल यह है कि पहली कक्षा में पहुंचने के बाद उन्हें किस तरह पढ़ाया जा रहा है। पांच साल की उम्र में बच्चे खेलते हुए, कहानियां सुनते हुए और सवाल पूछते हुए बहुत कुछ सीखते हैं। इस उम्र में उनके लिए पढ़ाई का मतलब केवल किताबों से अक्षर सीखना नहीं है। यदि शुरुआत से ही उन पर जल्दी-जल्दी लिखने, अक्षर याद करने और किताबें पूरी करने का दबाव डाला जाए, तो पढ़ाई में उनकी रुचि कम भी हो सकती है। इसलिए यह देखना जरूरी है कि बच्चे स्कूल तो पहुंच रहे हैं, लेकिन वहां सीख भी पा रहे हैं या नहीं। भारत में सरकारी स्कूलों की अहमियत इसी बात से समझी जा सकती है। गांवों, छोटे कस्बों और कम आमदनी वाले परिवारों के लिए सरकारी स्कूल ही शिक्षा का सबसे सुलभ साधन हैं। हर परिवार निजी स्कूल की फीस और दूसरे खर्च नहीं उठा सकता। ऐसे में सरकारी स्कूलों की हालत का असर उन बच्चों पर सबसे ज्यादा पड़ता है, जिनके पास दूसरे विकल्प नहीं हैं। एक तरफ कुछ परिवार अपने बच्चों को अच्छी सुविधाओं वाले स्कूलों में पढ़ा सकते हैं, वहीं दूसरी तरफ कई बच्चों को कमरों, शिक्षकों और पढ़ाई के साधनों की कमी के बीच पढ़ना पड़ता है। ऐसे में शिक्षा सबको आगे बढ़ने का समान अवसर कैसे दे पाएगी? सरकारी स्कूलों में बच्चों का नामांकन बढ़ाना जरूरी है, लेकिन उतना ही जरूरी है कि उन्हें पढ़ने और समझने के लिए अच्छा माहौल भी मिले। बिहार के रोहतास जिले के रूपिबांध प्राथमिक विद्यालय की एक खबर इस स्थिति को समझने में मदद करती है। अक्टूबर 2026 की खबर के मुताबिक, वहां कक्षा एक से पांच तक के 82 बच्चे लगभग 20 गुणा 15 फुट के एक कमरे में पढ़ते हैं। स्कूल में चार शिक्षक और एक ब्लैक बोर्ड है। इसी कमरे में प्रधानाध्यापक का कार्यालय भी है और मध्याह्न भोजन की सामग्री भी रखी जाती है। यह बिहार के एक स्कूल का उदाहरण है, पूरे राज्य की तस्वीर नहीं, लेकिन इससे यह सवाल जरूर उठता है कि एक ही कमरे में पांच कक्षाओं के बच्चे पढ़ रहे हों, तो हर कक्षा पर कितना ध्यान दिया जा सकता है? पांच साल के बच्चों को खेल और गतिविधियों के जरिए पढ़ाने की बात करना आसान है, लेकिन इसके लिए जगह और जरूरी साधन भी तो होने चाहिए। केवल पाठ्यक्रम बदलने से स्कूलों की समस्याएं दूर नहीं होंगी। शिक्षा मंत्रालय के 2025-26 के आंकड़ों के मुताबिक, देश में सरकारी और निजी सहित सभी तरह के 1,00,843 स्कूल ऐसे हैं, जहां केवल एक शिक्षक दर्ज है। इनमें महाराष्ट्र के 9,269, उत्तरप्रदेश के 7,874, राजस्थान के 7,200 और बिहार के 2,006 स्कूल



शामिल हैं। ये आंकड़े खाली पदों के नहीं, बल्कि एक शिक्षक वाले स्कूलों के हैं। अब सवाल यह है कि जहां एक शिक्षक को कई कक्षाओं के बच्चों को पढ़ाना पड़ता है, वहां हर बच्चे की जरूरत पर कितना ध्यान दिया जा सकता है? पहली कक्षा में आने वाले सभी बच्चों की समझ और सीखने की गति एक जैसी नहीं होती। कुछ बच्चे घर पर किताबों और कहानियों से परिचित होते हैं, तो कुछ के लिए स्कूल ही सीखने का पहला बड़ा अनुभव होता है। ऐसे में शिक्षक को हर बच्चे को समझने और उसके हिसाब से पढ़ाने का समय मिलना भी जरूरी है। उत्तर प्रदेश में इस दिशा में एक पहल की गई है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा एक के बच्चों के लिए 12 सप्ताह का श्विद्या प्रवेश्य कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें खेल और दूसरी गतिविधियों के जरिए बच्चों को भाषा, शुरुआती गणित और आसपास की दुनिया के बारे में सिखाने का लक्ष्य है। ऐसी पहल का उद्देश्य बच्चों को पहली कक्षा की पढ़ाई के लिए तैयार करना है, लेकिन किसी योजना का असली असर तभी दिखता है, जब वह कक्षा में ठीक से लागू हो। इसके लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण और जरूरी सामग्री मिलनी चाहिए। बच्चों को भी अपनी बात कहने, सवाल पूछने और दूसरे बच्चों के साथ मिलकर सीखने का मौका मिलना चाहिए। उत्तर प्रदेश के 200 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में किए गए एक अध्ययन के नतीजे इस ओर ध्यान दिलाते हैं। टीचिंग लर्निंग प्रैक्टिसेज सर्वे 2025 के मुताबिक, लगभग दो-तिहाई कक्षाओं में बच्चों को खुलकर बोलने, शिक्षक से बातचीत करने और एक-दूसरे से सीखने के सीमित अवसर मिले। अध्ययन में 73 प्रतिशत शिक्षकों को बच्चों की घरेलू भाषा की जानकारी थी, लेकिन लगभग 10 प्रतिशत शिक्षक ही उस भाषा का नियमित इस्तेमाल करते पाए गए। बच्चा जिस भाषा में घर पर बात करता है और अपने आसपास की दुनिया को समझता है, उसी भाषा के सहारे नई बातें सीखना उसके लिए आसान होता है। शुरुआती कक्षाओं में यदि बच्चों को अपनी बात कहने और सवाल पूछने का मौका मिले, तो वे पढ़ाई से बेहतर ढंग से जुड़ सकते हैं। शिक्षक का काम केवल पाठ पढ़ाना नहीं, बल्कि यह समझना भी है कि बच्चे उसे कितना समझ पा रहे हैं। इस पूरी चर्चा में आंगनवाड़ी की भूमिका को भी नहीं भूलना चाहिए। श्राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020श् में तीन से छह साल के बच्चों की शुरुआती शिक्षा पर जोर दिया गया है। इस उम्र में खेल, गीत, कहानियां और बातचीत बच्चों को सीखने में मदद करते हैं। इसलिए आंगनवाड़ी से प्राथमिक विद्यालय तक बच्चे की पढ़ाई का सिलसिला बना रहना चाहिए। बिहार में श्एएसईआर 2024य की रिपोर्ट के मुताबिक, पांच साल के बच्चों का आंगनवाड़ी में नामांकन 2018 के 36.4 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 48.3 प्रतिशत हो गया। यह अच्छी बात है कि आंगनवाड़ी तक पहुंचने वाले बच्चों की संख्या बढ़ी है, लेकिन इसके साथ यह भी देखना होगा कि वहां बच्चे जो सीखते हैं, उसे पहली कक्षा में आगे बढ़ाने की व्यवस्था है या नहीं। यदि दोनों के बीच तालमेल हो, तो बच्चे के लिए स्कूल में आगे की पढ़ाई समझना आसान हो सकता है। यूनेस्को की रिपोर्ट ने शुरुआती शिक्षा पर चर्चा का एक जरूरी आधार दिया है।

> पांच साल के बच्चे के हाथ में जब पहली किताब आती है, तो उसके साथ परिवार की उम्मीदें भी स्कूल पहुंचती हैं। माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़े, आगे बढ़े और जीवन में बेहतर अवसर पाए, लेकिन क्या स्कूल में उसे ठीक से सीखने का मौका मिल रहा है? क्या वहां का माहौल उसकी उम्र और समझ के हिसाब से है? स्कूल में दाखिला मिलना एक बात है और वहां अच्छी शिक्षा मिलना दूसरी। यूनेस्को की तरफ से जारी ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग (जीईएम) रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में पांच साल के 51 प्रतिशत बच्चे पूर्व-प्राथमिक शिक्षा के बजाय प्राथमिक विद्यालयों में दाखिल हैं। यह आंकड़ा बताता है कि बड़ी संख्या में बच्चे कम उम्र में ही पहली कक्षा तक पहुंच रहे हैं। इसका यह मतलब नहीं कि इन सभी बच्चों ने पहले आंगनवाड़ी या किसी दूसरे केंद्र में पढ़ाई नहीं की।

जेन जी के रेहान वाड्रा पर भाजपा का वार

मायानगरी में फिर लौटा अंडरवर्ल्ड का साया

फिल्म के पर्दे पर अपराधियों से मुकाबला करने वाले सितारे इन दिनों वास्तविक जिंदगी में खुद गोलियों और धमकियों के निशाने पर हैं। टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई गोलीबारी, सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग और रोहित शेट्टी को निशाना बनाए जाने की घटनाओं ने फिल्म इंडस्ट्री की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। कभी हाजी मस्तान और दाऊद इब्राहिम के नाम से खौफखाने वाला बॉलीवुड अब लॉरेंस बिश्नोई गिरोह की धमकियों से दहशत में है। सवाल यह कि क्या संगठित अपराध एक बार फिर फिल्मी दुनिया को अपने प्रभाव में लेने की कोशिश कर रहा है? मुंबई फिल्म जगत और अंडरवर्ल्ड के रिश्ते का इतिहास कई दशक पुराना है। इसकी शुरुआत किसी एक घटना से नहीं हुई, बल्कि फिल्म निर्माण में धन की जरूरत, सीमित वित्तीय स्रोत और मुंबई में सक्रिय आपराधिक गिरोहों की आर्थिक ताकत ने इसके लिए जमीन तैयार की। पहले 1970 और 80 के दशकों में हाजी मस्तान का नाम फिल्मी हस्तियों से मेलजोल और प्रभावशाली सामाजिक छवि के कारण चर्चा में रहा। लेकिन, उस दौर के सभी संपर्कों को आपराधिक गठजोड़ मानना सही नहीं होगा। नब्बे के दशक में दाऊद इब्राहिम के गिरोह डी-कंपनी का नाम फिल्म उद्योग में धमकियों, जबरन वसूली और कारोबार में हस्तक्षेप के आरोपों के साथ सामने आया। फिल्म निर्माताओं, वितरकों और सितारों को निशाना बनाने की कोशिशों ने यह आशंका पैदा की कि अपराधी गिरोह फिल्मी दुनिया की आर्थिक ताकत और लोकप्रियता का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करना चाहते हैं। किसी बड़े सितारे से नजदीकी दिखाना प्रतिष्ठा का माध्यम था, तो निर्माता को धमकाना धन वसूलने का रास्ता। 12 अगस्त 1997 को टी-सीरीज के संस्थापक गुलशन कुमार की मुंबई में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में जबरन वसूली और आपराधिक साजिश के आरोपों की जांच हुई। अब्दुल रऊफ उर्फ दाऊद मर्चेंट को हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया और उसकी उम्रकैद की सजा को 2021 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने बरकरार रखा। हालांकि, मामले के अन्य आरोपियों की कानूनी स्थिति अलग-अलग रही। गुलशन कुमार की हत्या ने फिल्म जगत को संदेश दिया कि आपराधिक दबाव का विरोध करना जानलेवा भी हो सकता है। साल 2000 में फिल्म निर्माता और निर्देशक राकेश रोशन पर भी गोली चलवाई गई। वे बच गए। इससे पहले और बाद में निर्माता राजीव राय, मुकेश दुग्गल और अन्य फिल्मी कारोबारियों को धमकियों तथा हमलों का सामना करना पड़ा। अबू सलेम का नाम भी फिल्मी हस्तियों से जबरन वसूली और धमकियों के मामलों में सामने आया। इन घटनाओं से डर पैदा हुआ कि अपराधियों की पहुंच केवल पैसे मांगने तक नहीं। वे फिल्म निर्माण, वित्त इंतजाम, वितरण और कारोबारी फैसलों को प्रभावित करने की कोशिश भी कर सकते हैं। बॉलीवुड-अंडरवर्ल्ड संबंधों के किस्सों में अभिनेत्रियों के नाम भी आते रहे। अभिनेत्री मंदाकिनी और दाऊद इब्राहिम के कथित संबंधों को लेकर सालों तक मीडिया में चर्चाएं हुईं। जबकि, इन चर्चाओं को प्रमाणित तथ्य मानना उचित नहीं। फिर भी, अपराध जगत से जुड़े लोगों और फिल्मी हस्तियों के सामाजिक संपर्कों, पार्टियों, विदेश यात्राओं और कारोबारी संबंधों ने कई बार संदेह जरूर पैदा किए। लेकिन जहां धमकी, दबाव या जबरन वसूली किसी कलाकार की आजादी को प्रभावित करे, वहां यह संबंध गंभीर चिंता का विषय बन जाता है। हाल के सालों में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ी घटनाओं ने फिल्म इंडस्ट्री की चिंताएं फिर बढ़ा दी। सलमान खान के साथ गिरोह की दुश्मनी की पृष्ठभूमि 1998 के काले हिरण शिकार प्रकरण से जुड़ी है। इस मुद्दे को लेकर लॉरेंस ने सलमान खान को धमकियां दीं। 14 अप्रैल 2024 को सलमान के आवास के बाहर हमलावरों ने गोलीबारी की। मामले में जांच हुई और कई आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अक्तूबर 2024 में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या ने भी इस गिरोह को लेकर चिंता बढ़ाई। फरवरी 2026 में मुंबई में फिल्म निर्माता और निर्देशक रोहित शेट्टी के आवास के बाहर गोलीबारी हुई। जांच में लॉरेंस गिरोह से जुड़े लोगों की भूमिका सामने आई। इसके बाद 18 अक्तूबर 2026 को टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलीबारी हुई। टाइगर सुरक्षित बच गए, लेकिन उनके ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति को गोली लगी। गिरोह से जुड़े लोगों ने हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया और धमकी भी दी। इस घटना ने बॉलीवुड में सुरक्षा को लेकर भय और चिंता को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। इन घटनाओं में एक समान प्रवृत्ति दिखाई देती है। किसी चर्चित व्यक्ति को निशाना बनाना, घटना की जिम्मेदारी का प्रचार करना और फिर धमकी देकर अपनी पहुंच का प्रदर्शन करना। इससे संबंधित व्यक्ति या उसके कारोबारी सहयोगियों पर दबाव बनाया जा सकता है और व्यापक समाज में गिरोह की दहशत फैल सकती है। पहले धमकी

पानी की आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

बाबा मायाराम

> मैंने कुछ समय पहले राजस्थान के गांवों का दौरा किया था, इसका उद्देश्य वहां के तालाबों की परंपरा को देखने समझने का था। इस यात्रा में हमने दर्जनों तालाबों देखे, गांव वालों से मिले और उनसे विस्तार से बात की। इस स्तंभ में एक तालाब की कहानी बताना चाहूंगा, जिससे तालाबों के बारे में समझा जा सके, और पानी की समस्याओं का स्थायी हल खोजने में इससे मदद मिल सके। पश्चिमी राजस्थान के नागौर जिले का एक गांव है चावली। कुछ समय पहले तक यह आम गांव था, लेकिन अब खास बन गया है। क्योंकि यहां के लोगों ने गांव के तालाब का पुनरोद्धार कर लिया है। अब यह गांव पानी के मामले में स्वावलंबी है, बल्कि आसपास के गांवों को भी पानी उपलब्ध

मैंने कुछ समय पहले राजस्थान के गांवों का दौरा किया था, इसका उद्देश्य वहां के तालाबों की परंपरा को देखने समझने का था। इस यात्रा में हमने दर्जनों तालाबों देखे, गांव वालों से मिले और उनसे विस्तार से बात की। इस स्तंभ में एक तालाब की कहानी बताना चाहूंगा, जिससे तालाबों के बारे में समझा जा सके, और पानी की समस्याओं का स्थायी हल खोजने में इससे मदद मिल सके। पश्चिमी राजस्थान के नागौर जिले का एक गांव है चावली। कुछ समय पहले तक यह आम गांव था, लेकिन अब खास बन गया है। क्योंकि यहां के लोगों ने गांव के तालाब का पुनरोद्धार कर लिया है। अब यह गांव पानी के मामले में स्वावलंबी है, बल्कि आसपास के गांवों को भी पानी उपलब्ध कराता है। इस पूरे काम में गांव वालों का सहयोग किया है उरमुल खेजड़ी संस्था ने, जो यहां लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में बरसों से जुटी है। यह इलाका थार का मरुस्थल कहलाता है। देश में सबसे कम बारिश इसी क्षेत्र में होती है। यह क्षेत्र खारे पानी की पट्टी में आता है। यहां भूजल खारा है। इस कारण यहां ट्यूबवेल व कुएं नहीं हैं या कम हैं। इस क्षेत्र में भूमिगत जल खारे होने के साथ ही 350 से 500 फुट तक नीचे भूजल है, जिसे निकालना भी काफी खर्चीला है। सिर्फ खरीफ की फसल वर्षा आधारित होती है, वह भी बारिश हो गई तो। हर तीसरे साल अकाल आता है। खेती में खरीफ की फसल बाजरा, मूंग, मोट व गवार होती है। पानी की कमी के चलते इस इलाके को डार्क जोन घोषित किया गया है। यानी यहां ट्यूबवेल से पानी निकालने पर भी रोक है। पानी के लिए सीमित साधन हैं। गांव के लोग बारिश के पानी से भरने वाले कुंड व सार्वजनिक तालाबों का पानी उपयोग में लाते हैं। नागौर जिले के जायल प्रखंड का गांव है चावली। इस गांव में 500 घर हैं। कुछ समय पहले तक सड़क भी नहीं थी। आवागमन में परेशानी होती थी, अब सड़क बन गई है, पर रोजगार के अभाव में बड़ी संख्या में लोग पलायन करते हैं। ईंट भट्टे, लोहे की मिलें, खदान, फसल कटाई, छोटे-मोटे धंधों के लिए लोग आसपास के शहरों से लेकर दूर गुजरात, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल तक जाते हैं। मेघवाल, बावरी, कालबेलिया, नायक और लुहार इत्यादि पलायन करते हैं। यहां के तालाब का नाम शिवसागर है। इसका आगौर 700 बीघा है, और इसकी भराव क्षमता 12 बीघा में हैं। यह बहुत पुराना तालाब है। बरसों से इसका मरम्मतीकरण का काम नहीं हुआ था जिससे इसकी भराव क्षमता कम हो गई थी। दीवाली तक आते-आते इसका पानी खत्म हो जाता था। गांव वालों ने संस्था के सामने यह बात रखी कि अगर इस तालाब की खुदाई हो जाए तो सालभर पानी रह सकता है और उनकी पानी की समस्या का समाधान हो सकता है।

उरमुल खेजड़ी संस्था के कार्यकर्ता बताते हैं कि तालाब के काम के लिए तीन चीजें जरूरी हैं- एक योजना बनाना, दो उसे जमीन पर उतारना और तीन, उसका रख-रखाव करना। इसके लिए हमने गांव वालों की एक समिति बनाई। यह समिति ने ही पूरा तालाब खुदाई व रख-रखाव का जिम्मा लिया। वे आगे बताते हैं कि तालाब के पुनरोद्धार की पूरी योजना बनाई। गांव-समाज को एकजुट किया। लोग अपने अपने घरों से गैंती, फावड़ा, तसलें, बेल ले आए। मिट्टी की खुदाई शुरू हो गई। कुछ खुदाई करते जाते हैं, कुछ उस मिट्टी को पाल पर फेंकते जाते है, कुछ उसे समतल करने लगते। कई किसानों ने इस उपजाऊ मिट्टी को उनके खेतों में डाला, जिससे फसलें अच्छी हों। तालाब के किनारे दो दीवारें बनाई गईं। चूना की चिनाई की गई। ईंट, गारे व सीमेंट से लाइनिंग की गई। कुछ ही समय में तालाब बनकर तैयार हो गया। बारिश आई तो लबालब भर गया। चावली गांव के लोगों ने बताया कि जब तालाब बन गया तो उसके रख-रखाव व साज-संभाल के बारे में सोचा गया। तालाब की रखवाली व देखभाल के लिए एक चौकीदार रखा गया। उसे घर-घर से 100 रुपए चंदा कर मानदेय दिया जाता है। तालाब के रख-रखाव के अलिखित नियम बनाए गए, जो गांव में सभी को मालूम हैं, और उस पर वे अमल भी करते हैं। वे आगे बताते हैं कि रख-रखाव के नियमों में आगौर में कोई अतिक्रमण न करे, यह सुनिश्चित किया। आगौर में गंदगी न हो, कोई शौच न करे। आसपास के गांव के लोग ऊंटगाड़े से पानी ले जा सकते हैं। सिर पर ले जा सकते हैं या टैंकर या ट्रेक्टर से नहीं। दीवाली तक पानी ले जा सकते हैं, क्योंकि उसके बाद तालाब में पानी कम हो जाता है। एक माह में एक परिवार को 3 टैंकर पानी ही मिलेगा, इससे अधिक नहीं। लेकिन शादी-विवाह में लोगों को उनकी जरूरत के हिसाब से पानी लेने की अनुमति है। पानी बेचने के लिए नहीं ले सकते हैं, सिर्फ पीने के लिए पानी ले जा सकते हैं। इसके अलावा, तालाब की साफ-सफाई करना, भराव में तालाब गहरीकरण का काम करना। टैंकर, ऊंटगाड़ा को तालाब के अंदर जाना मना है। पानी में टैंकर के टायर नहीं जाना चाहिए। गाय-भैंस को तालाब के अंदर नहीं जाने देते। मनुष्यों को भी तालाब में स्नान करना मना है। पानी से महिलाओं का वास्ता अधिक होता है। इससे रख-रखाव में महिलाओं को जोड़ा गया है। जल सहेली नामक समिति बनाई गई है। गांव की महिलाओं ने बताया कि वे सब भी तालाब की देखरेख व रख-रखाव में मदद करती हैं। निर्जला ग्यारस को गांव के सभी लोग तालाब पर एकत्र होते हैं और श्रमदान कर मिट्टी निकालते हैं। साफ-सफाई करते हैं ग्रामीणों ने तालाब की मरम्मत के लिए भावी योजना भी बनाई है। एक तो तालाब के पार बनी ढाणियों के लिए सड़क निर्माण करवाना है जिससे उन ढाणियों के बच्चे बारिश में भी स्कूल आ सकें। तालाब की पाल और भी ऊंची करनी है, मरम्मत की भी जरूरत है। इस संबंध में ग्राम पंचायत को भी प्रस्ताव दिया गया है। यानी गांव-समाज, संस्था व ग्राम पंचायत मिलकर तालाब के रख-रखाव का काम कर रहे हैं। तालाब के किनारे वृक्षारोपण की भी योजना है। गांव के लोग तालाब में शिव की मूर्ति भी लगाना चाहते हैं। कुल मिलाकर, अब चावली गांव पानी के मामले में आत्मनिर्भर हो गया है।

515 विद्यालयों के दो लाख विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्यः खरे

एजेंसी



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार स्कूली शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर, व्यावहारिक और रोजगारोन्मुखी बनाने के लिए निरंतर अभिनव पहल कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश के स्कूली विद्यार्थी अब नियमित पढ़ाई और तकनीकी हुनर सीखने के साथ-साथ पैसों का सही प्रबंधन करने तथा भविष्य में अपना उद्यम स्वरोजगार शुरू करने की बुनियादी समझ विकसित करेंगे। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की महत्वाकांक्षी श्प्रोजेक्ट प्रवीणश् योजना के तहत छात्र-छात्राओं को वित्तीय साक्षरता और उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण देने के लिए दो नए विशेष मॉड्यूल शामिल किए गए हैं। मिशन निदेशक पुलकित खरे के कुशल निर्देशन में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और केंद्रीय उद्यमिता मंत्रालय के अधीन कार्यरत नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्मॉल बिजनेस डेवलपमेंट के साथ समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत एनएसई द्वारा वित्तीय कौशल तथा निस्बड द्वारा उद्यमिता विकास का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

दोनों मॉड्यूल दो-दो घंटे के हैं और इन्हें 24 अक्टूबर से प्रदेश भर में प्रभावी रूप से लागू कर दिया गया है। इसका ध्येय विद्यार्थियों में कम उम्र से ही आर्थिक जागरूकता पैदा करना और उनके तकनीकी कौशल को स्वरोजगार से जोड़ना है।मिशन निदेशक पुलकित खरे ने जानकारी देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने श्प्रोजेक्ट प्रवीणश् के अंतर्गत प्रदेश के 515 विद्यालयों के लगभग दो लाख छात्र-छात्राओं को कौशल विकास प्रशिक्षण देने का वृहद लक्ष्य निर्धारित किया है। निस्बड का दो घंटे का उद्यमिता विकास मॉड्यूल के माध्यम से छात्र-छात्राओं में नए कारोबारी विचारों को पहचानने और उन्हें बाजार के अवसरों में बदलने की उद्यमी सोच विकसित करेगा।

योगी सरकार राष्ट्रीय शिक्षा

नि:शुल्क मिलेगा बीज मिनीकिट, कृषि विभाग की वेबसाइट पर करें आवेदन



एजेंसी

लखनऊ। किसानों की समृद्धि और कृषि विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रबी सत्र 2026-27 के अंतर्गत नि:शुल्क बीज मिनीकिट वितरण तथा अनुदान पर उन्नतशील बीज उपलब्ध है। किसानों को कृषि विभाग की आधिकारिक वेबसाइट ,'हतपबनसजनतम.नच.हवअ.पद पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग कराना अनिवार्य है। योजना के अंतर्गत प्रदेशभर में चना की 84,506, मटर की 15,268, मसूर की 1,09,700, राई सरसों की 4,95,578 तथा अलसी की 30,000 नि:शुल्क मिनीकिट वितरित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त दलहन की विशेष योजना के तहत 8 वर्ष से कम अवधि के मसूर के बीज पर शत-प्रतिशत तथा चना व मटर के बीज पर 75 प्रतिशत तक का अनुदान देय है, जबकि गेहूं, जौ एवं राईध्सरसों के उन्नतशील प्रजातियों के बीजों पर किसानों को 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है।

करंट की चपेट में आकर बुजुर्ग की मौत



एजेंसी

सीतापुर। क्षेत्र में शुक्रवार सुबह करंट की चपेट में आकर एक बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा है। परिजनों का रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बरेती जलालपुर निवासी मिसरा (60) वर्तमान में लालपुर गांव में झोपड़ी डालकर रह रहे थे। वह लालपुर में चाट का ठेला लगाकर परिवार का भरण पोषण करते थे। शुक्रवार सुबह वह लघुशंका के लिए जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में रखे एक खोखे में उतर रहे करंट की चपेट में आ जाने से झुलसकर जमीन पर गिर पड़े। हादसे के बाद बुजुर्ग काफी देर तक मौके पर ही पड़े रहे। स्थानीय लोगों ने उन्हें जमीन पर पड़ा देखा तो एक निजी अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बुजुर्ग की मौत की खबर से परिजनों में चीख पुकार मच गई। परिवार के सदस्यों का रो रोकर बुरा हाल है। सीओ अभिषेक कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल इस मामले में मृतक के परिजनों की तरफ से कोई तहरीर नहीं मिली है। घटना की जांच कराई जा रही है।

581 लीटर सरसों का तेल सीज, प्रतिष्ठान पर ताला

सीतापुर। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा संचालित अभियान के दौरान शुक्रवार को टीम ने महोली तहसील क्षेत्र में सूरज गुप्ता के प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया। इस दौरान सरसों के तेल के दो नमूने संग्रहीत किए गए। वहीं, लगभग 581 लीटर सरसों का तेल घटिया गुणवत्ता की आशंका के बाद सीज करने की कार्रवाई की गई। सीज किए गए तेल की अनुमानित कीमत करीब एक लाख 22 हजार रुपये बताई गई है। कार्रवाई के बाद एफएसडीए टीम ने प्रतिष्ठान के कारोबार पर रोक लगाते हुए ताला भी जड़ दिया। सहायक खाद्य आयुक्त द्वितीय अमित कुमार सिंह ने बताया कि प्रतिष्ठान के संचालन पर निर्णय लैब भेजे गए तेल के नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद होगा। उन्होंने बताया कि दिवाली पर मिलावटी व घटिया खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए एक अक्टूबर से चलाए जा रहे अभियान के तहत अब तक कुल 94 नमूने संकलित किए जा चुके हैं।

इसके अलावा लगभग 878

जन्मे कौशल्या के ललनवा बधाई हो बजते ही अयोध्या बना पाण्डाल

भगवान विष्णु के अंश हैं बाल्मीकि के रामः चिदम्बरानन्द

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के जानकीपुरम विस्तार की सूर्या अकादमी में चल रही श्रीमद् बाल्मीकि रामायण कथा व्यास स्वामी चिदम्बरानन्द सरस्वती ने राम जन्म प्रसंग का विशद विवेचन करते हुए कहा कि जहां महर्षि बाल्मीकि राम को उन्हें साक्षात भगवान विष्णु का अंश बताते हुए उनके संपूर्ण जीवन को मानवीय सीमाओं और आदर्शों के भीतर मर्यादा पुरुषोत्तम रखा है, वहीं अपनी भक्ति भावना के वशीभूत गोस्वामी तुलसीदास ने उन्हें स्वयं भगवान मानते हुए उनके जन्म की लीला को चमत्कारिक स्वरुप दिया है। स्वामी ने कहा कि बाल्मीकि रामायण में राम जन्म प्रसंग ऐतिहासिक, संयमित और मानवीय मर्यादा पर आधारित है वहीं राम चरित मानस में यह भक्ति-प्रधान और भाव विभोर करने वाला है। उन्होंने कहा कि स्वयं की एक मात्र संतान पुत्री शांता को निरू संतान मित्र को सौंप देने वाले महाराज दशरथ को उसी पुत्री के पति ऋषि श्रृंग्य द्वारा पुत्रेष्टि यज्ञ कराने के बाद उन्हें चार पुत्र प्राप्त होते हैं। यह स्वयं उस लीलाधर की लीला नहीं तो और क्या है। बाल्मीकि जी के राम चौत्र शुक्ल नवमी तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र में सामान्य,सुंदर और तेजस्वी शिशु के रूप में जन्म लेते हैं ।

वहां चतुर्भुज या दैवीय रुप का दर्शन नहीं है जबकि तुलसी दास के उपास्य भगवान राम चतुर्भुज रूप में प्रकट होते हैं। तुलसी दास और बाल्मीकि की कथा-वस्तु में भले ही कतिपय अंतर हैं तथापि वह निश्चित रूप से मनोहारी है। दोनों ने ही इस अवसर को अतिशय सुखद और अयोध्यावासियों के लिए एक पर्व सदृश बताया है। हर भाषा,हर संस्कृति और हर समाज में भगवान राम का चाहे जो स्वरूप बताया गया है परन्तु सभी में उनके जन्म को संपूर्ण जगत और मानवता के लिए सुखद अवसर करार दिया गया है।बाल स्वयं सेवकों द्वारा भगवान के जन्म की मंगलमयी झांकी प्रस्तुत की।इसी के साथ सोहर जन्मे कौशल्या के ललनवा,हो रामा बाजे बधाई हो श् का स्वर गूंजते ही पूरा पाण्डाल जैसे अयोध्या बन झूम उठा। वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया और सुमधुर भजनों पर श्रोता मंत्रमुग्ध हो देर तक आनंद विभोर हो नृत्य करते रहे। इस मौके पर डॉ सरल अवस्थी,राम किशोर मिश्र ,डॉ भानु प्रताप सिंह ,राम शब्द मिश्रा,विनय कृष्ण पांडेय, सुनील कुमार गुप्ता, चंद्र शेखर ,अवध किशोर मिश्र,श्रीकांत गुप्ता, अतुल दीक्षित और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

सार सुर्खियां

'ईवीएम से चुनाव हो तो दिक्कत, बैलट पेपर से भी परेशानी' ओपी राजभर का अखिलेश यादव पर तीखा हमला

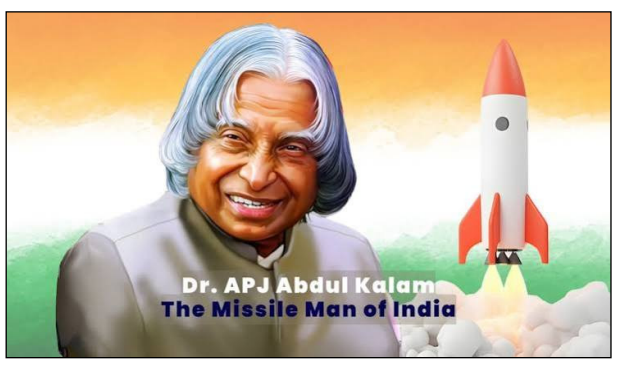
लखनऊ । उत्तर प्रदेश में एमएलसी चुनाव को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश सरकार में मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें चुनाव के हर तरीके से परेशानी होती है। राजभर के मुताबिक, ईवीएम से चुनाव होने पर भी सवाल उठाए जाते हैं और बैलट पेपर से मतदान होने पर भी आरोप लगाए जाते हैं। राजभर ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव चुनावी हार की आशंका में संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख को पहले अपनी पार्टी के भीतर उठ रहे सवालों का जवाब देना चाहिए। हालांकि, ये राजभर के राजनीतिक आरोप हैं और इन्हें अखिलेश यादव का पक्ष नहीं माना जा सकता। ओपी राजभर ने सपा नेता रामगोपाल यादव के कथित बयान का हवाला देते हुए कहा कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और कटवाने की प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं करने के लिए सपा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया गया है। उन्होंने सवाल किया कि जब पार्टी के नेताओं के बयान अलग-अलग हैं, तो सही किसे माना जाए। राजभर का कहना था कि अखिलेश यादव को चुनाव आयोग पर सवाल उठाने से पहले अपनी पार्टी के भीतर की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने एमएलसी चुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल का संकेत बताते हुए भाजपा की जीत का दावा भी किया। राजभर ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव चुनाव से पहले बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन नतीजे आने के बाद राजनीतिक स्थिति अलग नजर आती है। उन्होंने कहा कि एमएलसी चुनाव के परिणाम से प्रदेश में सपा की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सकेगा। सत्तारूढ़ गठबंधन की संभावनाओं को लेकर राजभर ने भाजपा की जीत का भरोसा जताया।

'मिशन रोजगार' को रफ्ताररू आईटीआई अलीगंज में 31 अक्टूबर को कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर उन्हें प्रतिष्ठित औद्योगिक घरानों में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए मिशन रोजगार अभियान निरंतर गति पकड़ रहा है। इसी क्रम में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज लखनऊ में 31 अक्टूबर को प्रात: 10 बजे से एक वृहद कैंपस प्लेसमेंट व रोजगार भर्ती अभियान का आयोजन किया जा रहा है।इस रोजगार मेले में देश की प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र की अग्रणी कंपनी डिक्सन टेक्नोलॉजीज तथा आईटी एवं डाटा सेवा प्रदाता कंपनी कॉर्पस डेटा इंफॉर्मेशन सर्विसेज द्वारा विभिन्न पदों पर सैकड़ों युवाओं का चयन किया जाएगा। प्लेसमेंट ड्राइव में 10वीं, 12वीं, आईटीआई उत्तीर्ण एवं स्नातक योग्यताधारी महिला व पुरुष अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं।कंपनीवार भर्ती एवं पदों के विस्तृत विवरण के अंतर्गत, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, नोएडा में ऑपरेटर के कुल 100 पद हैं, जिसके लिए 10वीं, 12वीं, आईटीआई या स्नातक उत्तीर्ण 18 से 35 वर्ष के महिला एवं पुरुष अभ्यर्थी पात्र हैं, जिन्हें सेक्टर-151, नोएडा कार्यस्थल के लिए 24,257 से 26,484 तक मासिक वेतन दिया जाएगा। टाटा मोटर्स लिमिटेड, लखनऊ प्लांट द्वारा दो अलग-अलग संवर्गों में तकनीकी युवाओं का चयन किया जाएगा, जिसमें प्रथम अप्रेंटिस ट्रेनी के तहत 10वीं एवं आईटीआई या एनटीसी में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ 18 से 25 वर्ष की आयु वाले युवाओं को 1 वर्ष के प्रशिक्षण हेतु 13,870 मासिक स्टाइपेंड मिलेगा, जबकि द्वितीय अस्थायी कर्मचारी के रूप में 10वीं उत्तीर्ण तथा आईटीआई या एनटीसी के साथ 1 वर्ष का कार्यानुभव रखने वाले 18 से 32 वर्ष के युवाओं को अधिकतम 6 माह की कार्य अवधि के लिए 15,488 मासिक वेतन दिया जाएगा, साथ ही दोनों संवर्गों के चयनित अभ्यर्थियों को नि:शुल्क कैंटीन, बस या परिवहन सुविधा, यूनिफॉर्म तथा सुरक्षा जूते प्रदान किए जाएंगे ।

महात्मा फुले फाउंडेशन ने मनाई भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती

एजेंसी



लखनऊ। जिसकी जितनी संख्या उसकी उतनी हिस्सेदारी हर क्षेत्र में होनी चाहिए समाज में एक समान शिक्षा व्यवस्था होनी चाहिए। यह बातें जन अधिकार पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकन्या कुशवाहा ने शनिवार को महात्मा फुले फाउंडेशन के तत्वावधान में डॉ. भीमराव अम्बेडकर ऑडिटोरियम ला कालेज में आयोजित भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कलाम जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जिन्हें हम सब मिसाइल मैन इण्डिया के नाम से जानते है, भारत के महान वैज्ञानिक, शिक्षाविद् एवं 11वें राष्ट्रपति थे। उन्हे 1997 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। जिन्होने अग्नि और पृथ्वी जैसी स्वदेशी मिसाइलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा प्ैत्व् और ऋ्व्क्र् के साथ मिलकर देश को रक्षा एवं अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का मार्ग प्रसस्त किया।

उनका जीवन सादगी ज्ञान और युवाओं को प्रेरणा देने का प्रतीक रहा। वे हमेशा कहा करते थे सपने वो नहीं जो हम नींद में देखें, सपने वो है जो हमें सोने न दें। उन्होंने कहा इंतजार करने वाले को सिर्फउतना ही मिलता है जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। इस अवसर पर सांसद जैनपुर बाबू सिंह कुशवाहा संस्थापक जन अधिकारी पार्टी ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा डॉ. कलाम जी का जीवन संघर्ष, सादगी, मेहनत, शिक्षा और राष्ट्रसेवा की मिसाल है।

उन्होंने देश के वैज्ञानिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया और अपने विचारों से देश के करोड़ों युवाओं को सपने देखने तथा उन सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत करने की प्रेरणा दी। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी का मानना था कि देश का भविष्य उसके बच्चों और युवाओं के हाथों में है। यदि देश को मजबूत और विकसित बनाना है तो प्रत्येक बच्चे को बेहतर शिक्षा, समान अवसर और आगे बढ़ने का अधिकार मिलना चाहिए। हमें डॉ. कलाम जी के विचारों को अपने जीवन में उतारते हुए शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, सामाजिक न्याय और समान अवसर के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए।

महिला पर झपटा जंगली जानवर तारों में फंसा तो बची जान

एजेंसी



लखीमपुर खीरी। गन्ने के खेत में कपड़े धो रही महिला पर अचानक जंगली जानवर झपट पड़ा। गनीमत रही कि खेत की तारबंदी में उलझने से वह महिला तक नहीं पहुंच सका। महिला के शोर मचाने पर जुटे ग्रामीणों के बीच जानवर भाग निकला। रुकुंदीपुर के पास हुई इस घटना के बाद इलाके में दहशत है। ग्रामीणों ने हमला करने वाले वन्यजीव को तेंदुआ बताया है। हालांकि, वन विभाग ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। रुकुंदीपुर से खजांचीपुरवा जाने वाली बंद सड़क पर महावत झुग्गियां बनाकर रहते हैं। सड़क के नीचे गन्ने के खेत हैं और किनारे नल लगा है। 22 अक्तूबर की देर शाम डेरे में रहने वाली भोगेश्री नल के पास कपड़े धो रही थीं, तभी गन्ने के खेत से निकले जानवर ने उन पर झपट्टा मारा, लेकिन खेत में लगी तारों की बाड़ में उलझ गया। महिला के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण और डेरे के लोग मौके पर पहुंच गए। भोगेश्री ने बताया कि दो कुत्ते जानवर के पीछे गन्ने के खेत में गए थे, लेकिन एक ही लौटा। ग्रामीण अनिल कुमार ने बताया कि कुछ देर तक दूसरे कुत्ते के चिल्लाने की आवाज आई, फिर बंद हो गई। कुत्ता वापस नहीं आया। ग्रामीणों का दावा है कि जानवर एक कुत्ते को उठा ले गया। ग्रामीण अनिल कुमार, मदनलाल वर्मा और धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि 17 अक्तूबर को खजांचीपुरवा में जानवर देखा गया था। 18 अक्तूबर की शाम 6:30 बजे संदीप सोनी के पांच वर्षीय बेटे अहम उर्फ रतन सोनी को कथित तौर पर तेंदुआ उठा ले गया था। अगले दिन बच्चे का क्षत-विक्षत शव गांव के पास जंगल की झाड़ियों में मिला था। 20 अक्तूबर की शाम करीब 6:30 बजे रुकुंदीपुर और मन्यौरा गांव के बीच मदन की चक्की के पास सरोज कुमार ने भी जानवर को देखा था।

दुधवा मुख्यालय पर किसानों का महाआंदोलन आज

लखीमपुर खीरी। सुहेली नदी की डिसिल्टिंग और नकहुआ नाले की सफाई की मांग को लेकर किसान शनिवार को दुधवा मुख्यालय के गेट पर धरना-प्रदर्शन करेंगे। पलिया-दुधवा मार्ग के पास कलेक्टर वाली पुलिया पर किसानों का अनिश्चितकालीन धरना शुक्रवार को 20वें दिन भी जारी रहा। प्रस्तावित आंदोलन में किसानों को जुटाने के लिए किसान नेता दो दिन से गांवों और शहरी इलाकों में जनसंपर्क कर रहे हैं। घर-घर संपर्क के साथ लाउडस्पीकर से प्रचार कर किसानों से आंदोलन में शामिल होने की अपील की जा रही है। इसी क्रम में किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर नायब तहसीलदार अखिलेश श्रीवास्तव को मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में मकनपुर के पूर्व प्रधान करमजीत सिंह और गन्ना समिति के डायरेक्टर प्रतिनिधि जरनैल सिंह शामिल रहे।

हादसे में बालक की मौत, मां-बहनों समेत आठ घायल



एजेंसी

बेटे की मौत से बेसुध हुई मां

हादसे में बेटे को खोने वाली पूजा शुक्ला का करुण क्रंदन सुनकर अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। पूजा ने बताया कि वह बच्चों को मेला दिखाने और झूला झुलाने के लिए लालगंज जा रही थीं। पहले मंगलवार को मेले में जाने की योजना थी, लेकिन बच्चों की जिद पर सोमवार को ही घर से निकल पड़ीं। विहान मेले में जाने को लेकर बहुत उत्साहित था। वह ई रिक्शा में चालक के बगल वाली अगली सीट पर बैठा था। घटना से पिता राहुल भी रो-रोकर बेहाल दिखे।

रायबरेली। बछरावां रोड पर सोमवार शाम एक तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से ई रिक्शा सवार आठ वर्षीय बालक की मौत हो गई, जबकि उसकी मां और बहनों समेत आठ लोग घायल हो गए। हादसे के बाद चालक वाहन समेत भाग गया। सभी घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। गुरुबख्शगंज थाना क्षेत्र के पूरे दुबेन मजरे शहजौरा निवासी पूजा शुक्ला अपने आठ वर्षीय बेटे विहान और बेटियों अंशिका व पीहू के साथ ई रिक्शा से लालगंज मेला देखने जा रही थीं। ई रिक्शा पूरे भीखी निवासी अनुराग पाल (48) चला रहे थे।

उसमें अन्य यात्री भी सवार थे। बन्नामऊ गांव के पास ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार चौपहिया वाहन की ई रिक्शा से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि ई रिक्शा सड़क पर पलट गया और दूर तक घिसटता चला गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की मदद से घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने विहान को मृत घोषित कर दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल ई रिक्शा चालक अनुराग, शांति देवी और अंशिका समेत अन्य को जिला अस्पताल रेफर किया गया। सीओ लालगंज सुजीत राय ने बताया कि परिजनों ने बालक के शव का पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया। मृतक के बाबा प्रवेश शंकर शुक्ल के लिखित अनुरोध पर शव परिजनों को सौंप दिया गया। तहरीर मिलने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

महोली के डॉ. बृजेश मिश्रा इस्राइल में बने शोध वैज्ञानिक

सीतापुर। ग्रामीण क्षेत्र के युवा शोधकर्ता डॉ. बृजेश मिश्रा का इस्राइल की प्रतिष्ठित बेन गुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ नेगेव में शोध वैज्ञानिक के पद पर चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी की लहर है। महोली क्षेत्र के चवाबेगमपुर गांव निवासी बृजेश मिश्रा ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में शोध निदेशक डॉ. बृजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में 31 जुलाई को पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उनका चयन इस्राइल की बेन गुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ नेगेव में शोध वैज्ञानिक के पद पर हुआ है। वह 29 अक्तूबर से अपना कार्यभार संभालेंगे। डॉ. बृजेश मिश्रा ने बताया कि पीएचडी के दौरान उन्होंने लेजर बीम, स्ट्रक्चर्ड लाइट, सिलिंड्रिकल वेक्टर बीम और उच्च क्रम के लेजर मोड्स के फोकल गुणों पर शोध किया। उनके शोध में प्रकाश की संरचना और ऊर्जा वितरण को नियंत्रित करने के साथ ही लेजर बीम के फोकल गुणों का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक अध्ययन शामिल रहा।

85 बूथों पर वोटिंग, तीन जगह सियासी टकराव

एजेंसी

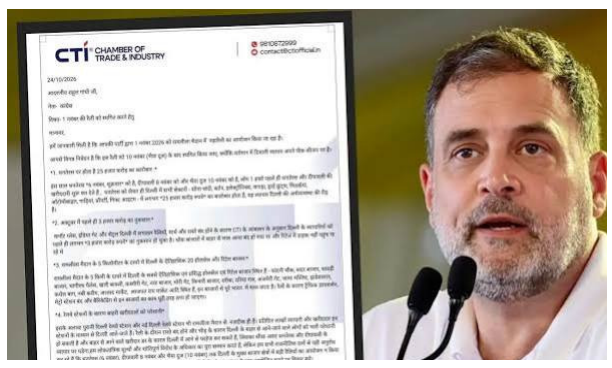


लखीमपुर खीरी। शिक्षक-स्नातक एमएलसी चुनाव के दौरान शुक्रवार को जिले में 85 बूथों पर मतदान हुआ। इस दौरान मितौली, ईसानगर और फूलबेहड़ में भाजपा-सपा समर्थकों के बीच नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। मितौली में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर फर्जी मतदान कराने और बूथ कैप्चरिंग के आरोप लगाए। शहर के जिला पंचायत केंद्र के बाहर भी दोनों दलों के समर्थकों ने नारेबाजी कर जीत का दावा किया। एडीएम प्रशासन बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जिले में शुक्रवार को शिक्षक-एमएलसी का मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ है। शिक्षक का 63.52 और स्नातक एमएलसी का 45.04 प्रतिशत मतदान हुआ है।

भाजपा-सपा समेत 20 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 27 अक्तूबर को मतगणना में होगा। शहर के जिला पंचायत और सदर ब्लॉक केंद्रों पर सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक भीड़ रही। फिर मतदान समाप्त होने से एक घंटा पहले फिर मतदाता पहुंचे। बेहजम ब्लॉक में स्नातक का 50.51 और शिक्षक का 62.20 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख बीना राज, विधायक सौरभ सिंह सोनू और भाजपा प्रवक्ता जुगल किशोर पहुंचे। बिजुआ ब्लॉक के तीन और भीरा नगर पंचायत के दो बूथों पर मतदान हुआ। बिजुआ में स्नातक बूथ संख्या 14 पर 487 में से 241 और बूथ 15 पर 294 में से 161 वोट पड़े। शिक्षक बूथ 12 पर 93 में से 56 मत पड़े। भीरा में स्नातक के 166 में से 70 और शिक्षक के 71 में से 51 मतदाताओं ने वोट डाला। विधायक अमन गिरि और विधायक रोमी साहनी भी मौजूद रहे। धौरहरा तहसील क्षेत्र में स्नातक का 47.22 और शिक्षक का 70.18 प्रतिशत मतदान हुआ। धौरहरा नगर पंचायत के कक्ष संख्या दो में 54.55 और कक्ष तीन में 41.13 प्रतिशत मतदान हुआ। रमियाबेहड़ ब्लॉक के कक्ष दो में 49.76 और कक्ष तीन में 42.67 प्रतिशत, जबकि ईसानगर ब्लॉक के कक्ष दो में 48.32 और कक्ष तीन में 53.41 प्रतिशत मतदान हुआ। गोला तहसील क्षेत्र के मैलानी नगर पंचायत में शिक्षक के 24 में से 16 और स्नातक के 157 में से 79 वोट पड़े। बांकेगंज में शिक्षक के 100 में से 78 और स्नातक के 897 में से 402 मत पड़े। जमुनाबाद कृषि महाविद्यालय में शिक्षक के 58 में से 31 और स्नातक के 423 में से 186 वोट पड़े। गरदहा में शिक्षक के 57 में से 43 और स्नातक के 200 में से 112 मत पड़े। गोला नगर पालिका में शिक्षक के 917 में से 525 और स्नातक के 3414 में से 2667 वोट पड़े। पसगवां में स्नातक बूथ 54 पर 734 में से 354 और शिक्षक बूथ 30 पर 75 में से 46 वोट पड़े। शिक्षक मतदाता श्रीकांत सिंह ने आरोप लगाया कि उनकी जगह किसी अन्य का फोटो लगाया गया।

6 नवंबर को धनतेरस, 8 को दीपावली, सीटीआई ने राहुल गांधी को लिखा पत्र, इंडिया गठबंधन से रैली टालने का आग्रह

एजेंसी



नयी दिल्ली व्यापारी संगठन चौंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को होने वाली इंडिया गठबंधन की रैली को 10 नवंबर तक के लिए स्थगित करने का आग्रह किया है। व्यापारिक निकाय ने चेतावनी दी है कि इस रैली से दिवाली के मुख्य खरीदारी सत्र के दौरान 10,000 करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित हो सकता है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लिखे एक पत्र में, सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि यह रैली रामलीला मैदान ग्राहकों की भारी भीड़ की उम्मीद है।

गोयल ने कहा कि दिल्ली में इस साल छह नवंबर को पड़ने वाले धनतेरस के आसपास सोना-चांदी, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े, बर्तन, मेवे, मिठाइयां, वाहन, प्रॉपर्टी और उपहार की वस्तुओं जैसे क्षेत्रों में लगभग 25,000 करोड़ रुपये का कारोबार होता है। इस साल आठ नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी, जिसके बाद 10 नवंबर को भाई दूज का त्योहार है। व्यापारी निकाय ने कहा कि बाजारों में आमतौर पर त्योहारों से लगभग एक सप्ताह पहले गतिविधियों में तेजी आती है, जिससे रैली का समय व्यापारियों के लिए चिंता का विषय बन गया है। सीटीआई के आकलन के अनुसार कनॉट प्लेस, इंडिया गेट और मध्य दिल्ली में रैलियों, प्रदर्शन और सड़क बंद होने के कारण दिल्ली के व्यापारियों को अक्टूबर में पहले ही लगभग 3,000 करोड़ रुपये के नुकसान का सामना करना पड़ा है। उन्होंने दावा किया कि इन व्यवधानों के कारण थोक बाजारों में सामानों की आवाजाही प्रभावित हुई और खुदरा दुकानों पर ग्राहकों की संख्या में कमी आई है।

संगठन ने रामलीला मैदान के पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले लगभग 20 थोक और खुदरा बाजारों का भी जिक्र किया, जिनमें चांदनी चौक, सदर बाजार, चावड़ी बाजार, भागीरथ पैलेस, खारी बावली, कश्मीरी गेट, नया बाजार, मोरी गेट, किनारी बाजार, दरीबा, दरियागंज, अजमेरी गेट, जामा मस्जिद, करोल बाग और आजाद मार्केट शामिल हैं। सीटीआई ने कहा कि ये बाजार देश के अलग-अलग हिस्सों में सामानों की आपूर्ति करते हैं, और रैली के दौरान यातायात परिवर्तन, मार्ग अवरुद्ध करने और सार्वजनिक परिवहन पर संभावित प्रतिबंधों से व्यावसायिक संचालन बाधित हो सकता है। गोयल ने पुरानी दिल्ली और नयी दिल्ली रेलवे स्टेशनों के रास्ते दूसरे राज्यों से दिल्ली आने वाले व्यापारियों और खरीदारों को होने वाली संभावित असुविधा पर भी चिंता जताई। सीटीआई ने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे त्योहारी अवधि समाप्त होने तक प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में बड़ी रैलियां करने से बचें। इस संबंध में विपक्षी इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक कांग्रेस पार्टी के नेता से अनुरोध किया गया है कि वे 10 नवंबर के बाद रैली आयोजित करने पर विचार करें।

अम्मान जॉर्डन के चर्च पर आतंकी हमला

जॉर्डन। अम्मान जॉर्डन के करक प्रांत में ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च पर हुए आतंकी हमले के बाद अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। शनिवार को एडवाइजरी साझा करते हुए अम्मान स्थित अमेरिकी दूतावास ने बताया, यह हमला करक के हम्मूद गांव स्थित चर्च पर हुआ। जॉर्डन के सार्वजनिक सुरक्षा निदेशालय (पीएसडी) ने बताया कि हमले में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 घायल लोगों का इलाज जारी है। सुरक्षा एजेंसियों ने बताया कि अपराधियों की तलाश जारी है और घटना स्थल को पूरी तरह से घेर लिया गया है। मामले की जांच जारी है। दूतावास का कहना है कि हमले के बाद राजधानी अम्मान में मॉल, विदेशी दूतावासों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अमेरिकी नागरिकों से सतर्क रहने और ताजा जानकारी के लिए जॉर्डन के सार्वजनिक सुरक्षा निदेशालय और एक्ट पर जॉर्डन पुलिस को फॉलो करने की सलाह दी है। अमेरिकी नागरिकों से कहा गया है कि वो जॉर्डन के राष्ट्रीय सुरक्षा और संकट प्रबंधन केंद्र की वेबसाइट पर सार्वजनिक सुरक्षा दिशानिर्देशों को देखें। स्थानीय मीडिया जैसे रोया न्यूज, पेट्रा न्यूज और जॉर्डन टाइम्स पर नजर बनाए रखें। किसी भी प्रदर्शन या बड़ी भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचें। दुनिया भर में इस हमले की निंदा हो रही है। अम्मान में जापान और ऑस्ट्रेलिया के दूतावासों ने शनिवार को बयान जारी कर करक आतंकवादी हमले के पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। जापान के दूतावास ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई और हमले में घायल हुए लोगों के जल्द ठीक होने की कामना की।

एक आधिकारिक बयान में, दूतावास ने हिंसा की सभी घटनाओं की निंदा की और पीड़ितों के परिवारों तथा हमले से प्रभावित सभी लोगों के साथ पूरी एकजुटता व्यक्त की। एक अलग बयान में, अम्मान स्थित ऑस्ट्रेलियाई दूतावास ने आतंकवादी हमले में जान गंवाने वालों के परिवारों और रिश्तेदारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की। दूतावास ने आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ के सभी रूपों की कड़ी निंदा की। साथ ही, इस कठिन समय में जॉर्डन की जनता के साथ पूरी एकजुटता जताते हुए, घायलों के जल्द और पूरी तरह से स्वस्थ होने की कामना की। लेबनान, सीरिया, मिस्र और ओमान सहित पूरे क्षेत्र से भी इन हत्याओं की निंदा की गई। सुन्नी मुस्लिम दुनिया के सबसे प्रमुख धार्मिक संस्थान, अल-अजहर के ग्रैंड इमाम, काहिरा के अहमद अल-तैयब ने मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और इसे एक जघन्य आतंकवादी हमला बताया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने एक अंतिम संस्कार के दौरान इस हमले की निंदा करते हुए इसे बेहद जघन्य बताया। उनके प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक के मुताबिक, ष्महासचिव ने यह भी मांग की है कि इसके लिए जिम्मेदार सभी लोगों को ढूंढा जाए और उन्हें जवाबदेह ठहराया जाए।

दस मिलियन बैरल गैस ऑयल जारी करने का आदेश दिया

एजेंसी

फ्रांस। पेरिस फ्रांस में हिंसा और प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने शनिवार को लोगों को राहत पहुंचाने वाला एक आदेश जारी किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए एक पोस्ट में पीएम सेबेस्टियन ने बताया कि दस मिलियन बैरल गैस ऑयल जारी करने की अनुमति देने वाला आदेश अब जारी कर दिया गया है। उम्मीद है कि इससे गैस ऑयल की कीमत में कुछ कमी आएगी। सेबेस्टियन लेकोर्नू ने कहा कि इन भंडारों को बाजार में उनकी खरीद कीमत पर उपलब्ध कराया जाएगा, जो मौजूदा बाजार कीमत से लगभग चार गुना कम है। इससे गैस ऑयल की कीमत में प्रति लीटर 18 सेंट तक की कमी आ सकती है। उम्मीद है कि यह कटौती 1 नवंबर से लागू हो जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कघि एक बात सुनिश्चित की गई है कि इस कदम से होने वाला पूरा आर्थिक लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा और ईंधन की कीमतों में दिखाई देगा।

इस फैसले का फायदा सिर्फ सामान्य उपभोक्ताओं को ही नहीं, बल्कि नॉन-रोड गैस ऑयल, मछली पकड़ने वाले उद्योग में इस्तेमाल होने वाले गैस ऑयल, घरेलू हीटिंग फ्यूल ऑयल और विदेशी क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाले गैस ऑयल के उपभोक्ताओं को भी मिलेगा। इस कदम का उद्देश्य ईंधन की लागत कम करना और लोगों व कारोबारों को बढ़ती ऊर्जा कीमतों से राहत देना है। फ्रांस में बीते सप्ताह बढ़ती महंगाई और जीवनयापन की लागत को लेकर प्रदर्शनों का दौर चला। सरकार ने हालात पर काबू पाने के लिए कर्फ्यू लगाए। बीते सप्ताह हुए प्रदर्शनों के दौरान लूटपाट की घटनाओं के बाद कुछ इलाकों में आंशिक कर्फ्यू के निर्देश दिए थे। साथ ही जरूरत पड़ने पर आपातकाल की स्थिति घोषित करने की बात भी कही गई थी। सितंबर से फ्रांस में छात्रों के कई बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं। छात्र बेहतर शिक्षा सुविधाओं और पढ़ाई की परिस्थितियों में सुधार की मांग कर रहे हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब फ्रांस में महंगाई, ईंधन की कीमतें, शिक्षा और सार्वजनिक सेवाओं को लेकर लोगों की नाराजगी लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है।

चीन पहुंचे किम जोंग उन, रूस के बाद अब बीजिंग से रिश्ते मजबूत करने की तैयारी

एजेंसी



बीजिंग उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के चीन पहुंचने की खबर सामने आई है। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने एक अज्ञात सरकारी सूत्र के हवाले से बताया कि किम ने दोनों देशों को जोड़ने वाले नए यालू रिवर ब्रिज के रास्ते चीन के सीमावर्ती शहर डांडोंग में प्रवेश किया। हालांकि, खबर लिखे जाने तक इस यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय और एकीकरण मंत्रालय ने भी तत्काल इसकी पुष्टि नहीं की, जबकि उत्तर कोरिया और चीन की सरकारी मीडिया ने दौरे पर कोई जानकारी जारी नहीं की।

यदि इस यात्रा की पुष्टि होती है, तो इसे दोनों पड़ोसी देशों के बीच उच्चस्तरीय संपर्क के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा सकता है। फिलहाल किम के चीन आने का उद्देश्य, कार्यक्रम और वहां संभावित बैठकों को लेकर स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है। योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, किम जोंग उन ने न्यू यालू रिवर ब्रिज के जरिए चीन में प्रवेश किया। यह पुल उत्तर कोरिया और चीन के बीच सीमा पार संपर्क को बेहतर बनाने के उद्देश्य से बनाया गया है। इसकी निर्माण प्रक्रिया और संचालन शुरू होने में एक दशक से अधिक की देरी हुई। पुल के खुलने से दोनों देशों के बीच परिवहन, व्यापार और आवाजाही को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। चीन उत्तर कोरिया का प्रमुख आर्थिक साझेदार है, इसलिए बेहतर सीमा संपर्क का दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों पर भी असर पड़ सकता है। पिछले कुछ वर्षों में उत्तर कोरिया ने रूस के साथ अपने संबंध मजबूत किए हैं। यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में उत्तर कोरिया पर रूस को सैनिक और हथियार उपलब्ध कराने के आरोप लगे हैं। माना जाता है कि दोनों देशों के बीच सहयोग के बदले प्योंगयांग को सैन्य तकनीक और आर्थिक सहायता मिलने की संभावनाएं बनी हैं। दूसरी ओर, चीन लंबे समय से उत्तर कोरिया का सबसे अहम सहयोगी रहा है।

उत्तर कोरिया की अर्थव्यवस्था के लिए चीन के साथ व्यापार और आर्थिक संपर्क महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में किम की संभावित यात्रा को बीजिंग के साथ संबंधों को मजबूत बनाए रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, दौरे की पुष्टि और आधिकारिक एजेंडा सामने आने तक किसी खास समझौते या रणनीतिक फैसले का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी। जून में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने प्योंगयांग में किम जोंग उन से मुलाकात की थी। उस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, कृषि, निर्माण और तकनीक जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई थी। किम ने चीन के साथ संबंधों को उत्तर कोरिया की प्रमुख रणनीतिक प्राथमिकताओं में शामिल बताया था। इससे पहले सितंबर 2025 में किम बीजिंग गए थे, जहां उन्होंने शी जिनपिंग से मुलाकात की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत अन्य नेताओं के साथ सैन्य परेड में हिस्सा लिया था। किम जोंग उन की चीन यात्रा की खबर ऐसे समय आई है, जब उत्तर कोरिया रूस के साथ सहयोग बढ़ाने के साथ चीन से अपने पारंपरिक रिश्तों को भी बनाए रखना चाहता है। हालांकि, इस बार यात्रा का मकसद क्या है और क्या किम की शी जिनपिंग से मुलाकात होगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। आधिकारिक बयान आने के बाद ही इस दौरे के राजनीतिक और आर्थिक महत्व की तस्वीर साफ हो सकेगी।

निष्पक्षता और दावों के बीच जांच पर टिकीं निगाहें

भाजपा ने साजिश बता खारिज किए दावे

एजेंसी



पीलीभीत। सदर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में प्रविष्टियों और संशोधनों से जुड़ा मामला जिले में राजनीतिक चर्चा का केंद्र बना हुआ है। मामले में दर्ज हुई एफआईआर के बाद निर्वाचन प्रक्रिया, प्रशासनिक तंत्र और राजनीतिक दावों को लेकर विभिन्न पक्ष अपनी-अपनी राय रख रहे हैं। विपक्षी दलों विशेषकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने मतदाता सूचियों में प्रविष्टियों के निस्तारण और रिकॉर्ड में बदलाव को लेकर सवाल उठाए हैं। विपक्ष 16,504 रिकॉर्ड में अनियमितताओं का दावा करते हुए निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग कर रहा है। वहीं दूसरी ओर सत्ताधारी पक्ष ने इन सभी आरोपों को निराधार और राजनीतिक साजिश करार देते हुए खारिज किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस विवेचना शुरू कर दी गई है।

जांच इस बात पर केंद्रित है कि प्रविष्टियों में अंतर तकनीकी या प्रक्रियात्मक कारणों से हुआ या इसके पीछे अन्य वजहें थीं। संबंधित अधिकारियों का कहना है कि प्रभावित क्षेत्रों में मतदाता सूचियों के सत्यापन और संशोधन का कार्य कराया जा रहा है, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम प्रभावित न हो। इसी बीच, जारी मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत प्रशासन 24 अक्तूबर को लगने वाले विशेष मेगा शिविर के जरिये नामावली को पूरी तरह दुरुस्त करने में जुटा रहा। डीएम आलोक कुमार ने बताया कि मतदाता वोटर हेल्प लाइन एप डाउनलोड करके या पर जाकर अपनी एपिक नंबर दर्ज करके मतदाता सूची में अपना विवरण चेक कर सकते हैं। यदि वोटर आईडी नंबर उपलब्ध न हो, तो नाम, पिता का नाम, और उम्र दर्ज करके विकल्प से स्थिति देख सकते हैं। इसी तरह ऑफलाइन जांच और संपर्क के लिए मतदाता अपने मतदान केंद्र (पोलिंग बूथ) के बीएलओ से मिलकर 10 अप्रैल 2026 को प्रकाशित अंतिम नामावली और पूरक सूची में अपना नाम देख सकते हैं। डीएम ने बताया शनिवार को आयोजित विशेष कैंप में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बूथ पर जाकर सूची का मिलान किया जा सकता है।

विवेचना करेंगे इंस्पेक्टर क्राइम

सदर कोतवाली पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है। जांच की जिम्मेदारी कोतवाली के क्राइम इंस्पेक्टर सतीश कुमार को सौंपी गई है। पुलिस संबंधित दस्तावेजों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की पड़ताल कर रही है। सीओ सिटी अमरनाथ वर्मा ने बताया कि विवेचना में मतदाता पहचान पत्रों की प्रविष्टियों, फार्मों के निस्तारण और संबंधित रिकॉर्ड की जांच की जाएगी। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। पार्टी ने प्रयास कर इस गड़बड़ी को उजागर किया है। इस पूरे मामले में सत्ता के दबाव में अधिकारियों की ओरसे वोटों में गड़बड़ी की गई है। इसमें मामले की गहनता से जांच होना अत्यंत जरूरी है। जिससे लोकतंत्र सुरक्षित रह सके।

गांव के बाहर पेड़ पर लटका मिला युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी



बदायूं। बिनावर थाना क्षेत्र के गांव विजय नगला निवासी युवक ने शुक्रवार रात आत्महत्या कर ली। उसका शव गांव की पूर्व दिशा में कुछ दूरी पर एक खेत में खड़े नीम के पेड़ पर फंदे से लटका मिला। शनिवार सुबह गांव के लोग अपने खेतों पर पहुंचे तो उन्होंने उसकी शिनाख्त की। परिवार को सूचना मिलने के साथ कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुलाकर शव को फंदे से उतारा और साक्ष्य जुटाए। विजय नगला निवासी छत्रपाल (38 वर्ष) चार भाइयों में तीसरे नंबर के थे। उनकी शादी नहीं हुई थी। वह अपने छोटे भाई राजकुमार के साथ रहते थे। उनके पिता की मृत्यु पहले ही हो चुकी है, घर में उनकी बुजुर्ग मां है। चारों भाइयों पर सिर्फ लगभग पांच बीघा जमीन है। सभी भाई मेहनत मजदूरी कर अपने-अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। छत्रपाल भी मेहनत मजदूरी करते थे। छोटे भाई राजकुमार के साथ रहते थे तो उनके घर का कुछ खर्च भी उठाते थे। मृतक के छोटे भाई राजकुमार ने बताया कि छत्रपाल शराब के आदी थे। जब मन होता तब घर से निकल जाते थे। इसी तरह शुक्रवार की रात करीब नौ बजे वह उठकर घर से चले गए थे। पड़ोसी कुंवर चंद ने अपने खेत में नीम के पेड़ पर छत्रपाल का शव लटका देखा।

सीओ सिटी सुमेध मिलिंद जाधव ने बताया कि परिवार वालों ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है। ना किसी तरह का आरोप लगाया है। सिर्फ पोस्टमार्टम कराने को कहा है। आगे की कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद की जाएगी।

कुल्हाड़ी से काटकर इकलौते बेटे की हत्या, शराब पीने के पिता ने ली जान

एजेंसी

बदायूं। थाना उसहैत क्षेत्र के गांव बची झझरउ में शुक्रवार रात शराब के नशे में हुए विवाद के बाद पिता नरेश ने कुल्हाड़ी से गर्दन काटकर इकलौते बेटे राम अवतार की हत्या कर दी। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। आरोपी को पुलिस ने गांव के बाहर जंगल से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से कुल्हाड़ी बरामद कर ली है। आरोपी को शनिवार दोपहर न्यायालय के सामने पेश किया, जहां से जेल भेज दिया। वहीं, आरोपी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि शराब पीकर बेटा उसे और परिवार को कई बार पीट चुका था। उसी खुन्नस में शराब के नशे में कहासुनी पर बेटे की जान ले ली। राम अवतार की पत्नी मंजू ने बताया कि उसके ससुर नरेश कुमार परिवार के साथ करीब 15 साल पहले बदायूं शहर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के नरऊ रोड के पास किराए पर रहने आए थे। उसके पति राम अवतार ई-रिक्शा चलाते थे, जबकि उसके आरोपी ससुर नरेश शहर में सब्जी बेचने का ठेला लगाता था। उसके पति राम अवतार ने किस्तों पर ई-रिक्शा लिया था।

वह और उसकी सास उर्मिला घरों में जाकर झाड़ू-पोछा का काम करती हैं। मंजू ने बताया कि शुक्रवार सुबह वह पति से गांव से गेंहू लाने की बात कहकर काम करने के लिए चली गई थी। इसके बाद उसके पति गांव चले गए थे। ससुर नरेश सब्जी का ठेला लगाने के लिए सब्जी मंडी गए थे। उनके गांव पहुंचने की जानकारी नहीं थी। राम अवतार की पत्नी मंजू ने बताया कि उसके ससुर नरेश कुमार परिवार के साथ करीब 15 साल पहले बदायूं शहर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के नरऊ रोड के पास किराए पर रहने आए थे। उसके पति राम अवतार ई-रिक्शा चलाते थे, जबकि उसके आरोपी ससुर नरेश शहर में सब्जी बेचने का ठेला लगाता था। उसके पति राम अवतार ने किस्तों पर ई-रिक्शा लिया था। वह और उसकी सास उर्मिला घरों में जाकर झाड़ू-पोछा का काम करती हैं। मंजू ने बताया कि शुक्रवार सुबह वह पति से गांव से गेंहू लाने की बात कहकर काम करने के लिए चली गई थी। इसके बाद उसके पति गांव चले गए थे। ससुर नरेश सब्जी का ठेला लगाने के लिए सब्जी मंडी गए थे।

टीकाकरण में पिछड़ने पर अतिरिक्त सत्र लगाएगा स्वास्थ्य विभाग

शाहजहांपुर। संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की हड़ताल के चलते टीकाकरण अभियान प्रभावित होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने इसकी भरपाई की तैयारी शुरू कर दी है। बच्चों और गर्भवती महिलाओं का छूटा हुआ टीकाकरण पूरा कराने के लिए अतिरिक्त सत्र लगाए जाएंगे। इसके लिए विभाग ने माइक्रो प्लान तैयार कर लिया है और संबंधित कर्मचारियों को दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। जिले में करीब एक सप्ताह तक लगभग 1400 संविदा स्वास्थ्य कर्मी हड़ताल पर रहे थे। इसके चलते कई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं। वहीं, एएनएम के धरने पर रहने के कारण नियमित टीकाकरण भी प्रभावित हुआ। इससे बड़ी संख्या में बच्चों और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण नहीं हो सका। निर्धारित लक्ष्य में कमी आने के बाद विभाग अब अतिरिक्त सत्र आयोजित कर छूटे हुए लाभार्थियों को टीके लगाने की तैयारी में जुटा है।

ईद पर हुई पिटाई और बार-बार मिल रही धमकी से पनपी थी रंजिश, धान की पल्लेदारी के विवाद में कर दी हत्या

एजेंसी



पीलीभीत। ईद पर हुई मारपीट और आए दिन पिटाई की धमकी से पनपी रंजिश में शाहबाज ने अरबाज की हत्या कर दी। बृहस्पतिवार को राइस मिल में धान बोरों में भरने से इन्कार करने पर दोनों के बीच फिर विवाद हुआ था। साथियों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया, लेकिन रंजिश और ताजा विवाद से नाराज शाहबाज ने अरबाज को सबक सिखाने की ठान ली। खाना खाने के बाद अरबाज जैसे ही घर से बाहर निकला, शाहबाज ने उसे घेर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका हत्या करने का इरादा नहीं था, लेकिन बांका से गर्दन पर वार लगने से अरबाज की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया, यहां से उसे जेल भेज दिया। मामले में दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई हैं।

सीओ विधि भूषण मौर्य ने बताया कि पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव रामपुर ताल्लुके महाराजपुर निवासी शाहबाज और अरबाज राइस मिल में पल्लेदारी करते थे। अरबाज अपने सगे और चचेरे भाई के साथ काम करता था, जबकि शाहबाज के साथ उसका भाई रियाज पल्लेदारी करता था। शाहबाज ने पुलिस को बताया कि करीब एक साल से अरबाज और उसके भाई बात-बात पर दबंगई दिखाते थे और उनके कहे अनुसार काम न करने पर पिटाई की धमकी देते थे।

शाहबाज के मुताबिक, ईद पर वह अपने दोस्त के साथ बाइक से घूमने जा रहा था। इसी दौरान अरबाज भी दोस्त की बाइक पर बैठने लगा। दोस्त ने उसे बाइक पर बैठाने से इन्कार कर दिया। इस पर अरबाज ने शाहबाज को जिम्मेदार ठहराते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। गुस्से में शाहबाज ने अरबाज की पिटाई कर दी थी। इसके करीब डेढ़ महीने बाद अरबाज ने अपने सगे और चचेरे भाई के साथ मिलकर शाहबाज को पीटा था। इसके बाद से राइस मिल में काम के दौरान दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ था। बृहस्पतिवार को राइस मिल में धान बोरों में भरने से मना करने पर अरबाज ने शाहबाज को पिटाई की धमकी दी। इस पर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया और मारपीट की नौबत आ गई। वहां मौजूद साथियों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग कर दिया।

न्यूजीलैंड ए के नाम रहा अनौपचारिक टेस्ट का पहला दिन



एजेंसी

लिंकन न्यूजीलैंड के लिंकन में खेले जा रहे पहले अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन भारत ए को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड ए ने तेज गेंदबाजों के लिए मददगार पिच का पूरा फायदा उठाया और भारत ए की पूरी टीम को 113 रन पर समेटा। दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ए ने पहली पारी के आधार पर 22 रनों की बढ़त भी हासिल कर ली है। टॉस जीतकर गेंदबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ए ने हरी-भरी पिच का भरपूर फायदा उठाया। साइमन कीन ने 24 रन देकर 5 विकेट लिए, जबकि जैक गिब्सन ने 29 रन देकर 3 विकेट चटकाए। भारत ए के बल्लेबाज लगातार दबाव के आगे टिक नहीं पाएय केवल यश राठौड़ और देवदत्त पडिक्कल ही कुछ हद तक संघर्ष कर सके। केएल राहुल ऑफस्टंप के बाहर की गेंद का पीछा करते हुए बिना खाता खोले आउट हुए। वहीं, यशस्वी जायसवाल 17 रन बनाने के बाद पहली स्लिप में कैच दे बैठे। इसके बाद कीन ने लगातार गेंदों पर साई सुदर्शन (0) और कप्तान ध्रुव जुरेल (1) को आउट कर भारत ए को शुरुआती संकट में डाला। नंबर 3 पर उतरे देवदत्त पडिक्कल ने कुछ स्थिरता दी और 32 रन बनाए, लेकिन लंच के बाद अपनी पहली ही गेंद पर वह आउट हो गए। उनके आउट होने के बाद भारत ए का स्कोर 5 विकेट खोकर 56 रन हो गया। स्थिति तब और खराब हो गई जब वॉशिंगटन सुंदर भी बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। निचले क्रम के बल्लेबाज भी ज्यादा देर नहीं टिक सके और भारत ए का स्कोर 9 विकेट पर 81 रन हो गया। अंशुल कंबोज (10 रन), आकिब नबी (5 रन) और आकाश दीप भी सस्ते में पवेलियन लौटे। हालांकि, यश राठौड़ ने शानदार बल्लेबाजी की और भारतीय टीम को 100 रनों का आंकड़ा पार कराया। यश ने 49 गेंदों में 44 रन बनाकर नाबाद रहे। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी पारी में 3 छक्के लगाए। अंत में कीन ने मुकेश चौधरी को आउट करके अपने 5 विकेट पूरे किए और 39.2 ओवर में भारत ए की पूरी टीम को 113 रनों पर ऑलआउट किया। न्यूजीलैंड ए के बल्लेबाजों ने संभलकर शुरुआत की। कर्टिस हीफी और कप्तान रीस मारियू ने मुश्किल परिस्थितियों का डटकर सामना किया। मारियू को तब जीवनदान मिला जब आकाश दीप की गेंद पर तीसरे स्लिप में जायसवाल कैच नहीं पकड़ सके, जिससे इस ओपनर को अपनी पारी जारी रखने का मौका मिल गया। हीफी और मारियू ने मिलकर पहले विकेट के लिए 132 रन जोड़े। हीफी को 76 रनों के स्कोर पर मुकेश चौधरी ने पवेलियन भेजा। इसके बाद आकिब नबी ने नाइट वॉचमैन जेडन लेनॉक्स को आउट किया और फिर अगली ही गेंद पर टिम रॉबिन्सन को एलबीडब्ल्यू करते हुए लगातार दो गेंदों पर 2 विकेट चटकाए।

भारत: 17 सदस्यीय पुरुष टीम का ऐलान

नयी दिल्ली। भारत ने दूसरे पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह टूर्नामेंट 15 से 20 नवंबर तक बांग्लादेश के ढाका में आयोजित होगा। मौजूदा चौंपियन भारत, एक दशक के लंबे अंतराल के बाद हो रहे इस टूर्नामेंट में अपना खिताब का बचाव करने उतरेगा। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) ने 10 दिनों के गहन चयन और कोचिंग कैंप के बाद इस टीम की पुष्टि की, जिसमें 24 संभावित खिलाड़ी शामिल थे। बांग्लादेश में होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए रवाना होने से पहले, चुने गए खिलाड़ी दिल्ली एनसीआर में एक महीने के तैयारी कैंप में हिस्सा लेंगे। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग, फिटनेस, कंडीशनिंग और मैच की रणनीति पर ध्यान दिया जाएगा।

दिल्ली डायनामाइट्स ने एम्पेरिया मराठा को हराकर खिताब जीता

एजेंसी

नोएडा। दिल्ली डायनामाइट्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए वॉलीबॉल चौंपियंस लीग (वीसीएल) के फाइनल में एम्पेरिया मराठा को 3-1 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम किया। दिल्ली डायनामाइट्स को 2 करोड़ रुपये की प्राइज मनी मिली। रनर-अप को 1 करोड़ रुपये मिले। फाइनल मुकाबले की शुरुआत मराठा ने शानदार अंदाज में की। पहले सेट में मराठा के अटैकर्स ने दिल्ली की डिफेंस को भेदते हुए 25-22 से सेट जीत लिया और दिल्ली को बैकफुट पर धकेल दिया। लेकिन चौंपियन टीम ने हार नहीं मानी। दूसरे सेट से दिल्ली डायनामाइट्स ने जोरदार वापसी की। टीम ने अपनी सर्विस और ब्लॉकिंग में सुधार करते हुए दूसरा सेट 25-19 से अपने नाम किया और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

मैच का टर्निंग पॉइंट तीसरा सेट रहा। दोनों टीमों के बीच एक-एक पॉइंट के लिए कड़ा संघर्ष देखने को मिला। स्कोर 29-29 तक बराबर रहा, लेकिन अंत में दिल्ली ने दबाव में संयम दिखाते हुए लगातार दो पॉइंट जीतकर सेट 31-29 से अपने नाम कर लिया। इस सेट ने दिल्ली का मोमेंटम पूरी तरह बदल दिया। चौथे सेट में दिल्ली ने इसी लय को बरकरार रखा और मराठा को कोई मौका नहीं दिया। दिल्ली ने 25-19 से चौथा सेट जीतकर 3-1 से फाइनल अपने नाम कर लिया। टीम की जीत के हीरो रहे शुभम चौधरी को प्लेयर ऑफद मैच चुना गया, जबकि एसआर शिवराजन को इम्पैक्ट प्लेयर ऑफद मैच का अवॉर्ड मिला। दोनों खिलाड़ियों ने अहम मौकों पर शानदार प्रदर्शन किया।

जीत के बाद शुभम चौधरी ने कहा, वॉलीबॉल चौंपियंस लीग का टाइटल जीतना पूरी टीम के लिए एक खास एहसास है। पहला सेट हारने के बाद हम एकजुट रहे, अपनी तैयारी पर भरोसा किया और एक बार में एक पॉइंट पर ध्यान दिया। तीसरा सेट खास तौर पर जरूरी था और एक-दूसरे पर हमारे भरोसे ने हमें मैच पलटने में मदद की। यह जीत टीम की कड़ी मेहनत और मिलकर किए गए प्रयास का नतीजा है। नोएडा में खेले गए इस फाइनल ने वॉलीबॉल फैंस को रोमांच से भर दिया और भारतीय वॉलीबॉल के बढ़ते स्तर का सबूत पेश किया।

यूजीलैंड: कैलेंडर ईयर में सर्वाधिक कैच पकड़ने वाले खिलाड़ी बने



एजेंसी

क्राइस्टचर्च भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टी20 इंटरनेशनल मुकाबला न्यूजीलैंड के हेगले ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा ने इस मुकाबले में दो कैच लेने के साथ ही खास मुकाम हासिल कर लिया है। तिलक वर्मा टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इंडोनेशिया के डैनिलसन हावो (25) को पीछे छोड़ते हुए यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। अब तिलक के नाम 2026 में फील्डर के तौर पर 26 कैच हो गए हैं, जो कि 2025 में इंडोनेशियाई खिलाड़ी द्वारा पकड़े गए कैचों से एक ज्यादा है। दूसरे टी2 मैच से पहले तिलक को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए दो कैच पकड़ने की जरूरत थी और उन्होंने टिम सीफर्ट और डेरिल मिशेल के कैच पकड़कर यह उपलब्धि हासिल की। सबसे पहले उन्होंने कवर्स पर टिम सीफर्ट का एक आसान कैच पकड़ा, जब कीवी ओपनर ने अर्शदीप सिंह की गेंद पर एक खराब शॉट खेला। इसके बाद उन्होंने डेरिल मिचेल का कैच पकड़ा। मिचेल की गेंद बल्ले के किनारे से लगकर पीछे की ओर गई, जिसे तिलक ने पकड़ने में कोई गलती नहीं की। चार साल बाद भारतीय टीम में लौटे भुवनेश्वर का यह इस सीरीज का पहला विकेट भी रहा।

टी20 इंटरनेशनल में एक कैलेंडर ईयर के दौरान फील्डर के तौर पर सबसे ज्यादा कैच

26 - तिलक वर्मा (भारत) - 2026
25 - डैनिलसन हावो (इंडोनेशिया) - 2025
24 - मुहम्मद वसीम (यूएई) - 2024
21 - शार्विन मुनियांडी (मलेशिया) - 2025
20 - ब्रायन मसाबा (युगांडा) - 2023
20 - तंजिद हसन (बांग्लादेश) - 2025

2026 में तिलक वर्मा भारत के लिए सबसे भरोसेमंद फील्डर रहे हैं और यह उपलब्धि इस बात को साबित करती है। उन्होंने इस सीजन में 30 पारियों में 26 कैच पकड़े हैं। क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में भारत ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 180 रन बनाए। टीम की तरफ से ग्लेन फिलिप्स ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 43 गेंदों में 70 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि बेवन जैकब्स ने 46 गेंदों में 58 रन बनाए। भारत की ओर से गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए।

बिल्डिंग से गिरने से छात्र की मौत

नोएडा, । नोएडा की डिजाइन आर्च सोसायटी में 13 साल के छात्र की 12 वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। छात्र की पहचान रणविजय ढाका के रूप में हुई है। वह आठवीं कक्षा में पढ़ता था। आशंका है कि छात्र ने 12वीं मंजिल से छलांग लगाई थी। घटना के बाद परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद सूरजपुर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह साफ होगी। मामले की जांच की जा रही है और परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है।



कोटक महिंद्रा बैंक का मुनाफा दूसरी तिमाही में 26 प्रतिशत बढ़कर 5,645 करोड़ रुपये पर



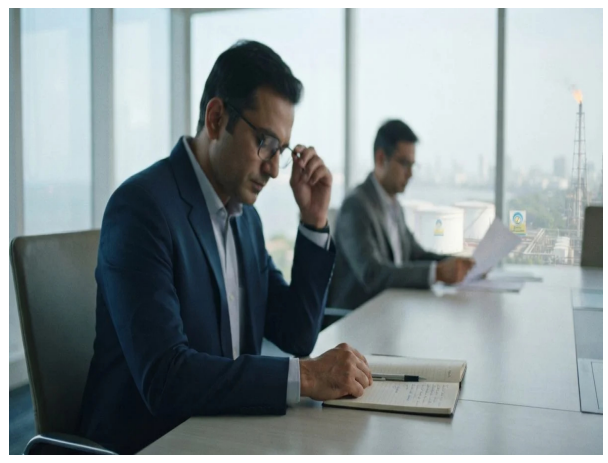
मुंबई । निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में 26 प्रतिशत बढ़कर 5,645 करोड़ रुपए हो गया। बैंक ने शनिवार को बताया कि उसने एकल आधार पर 29 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,212 करोड़ रुपए का कर पश्चात लाभ (पीएटी) दर्ज किया। कोटक महिंद्रा बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 16 प्रतिशत बढ़कर 8,459 करोड़ रुपए रही। शुद्ध अग्रिम में 25 प्रतिशत की वृद्धि से इसे समर्थन मिला, हालांकि शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) में 0.23 प्रतिशत की गिरावट ने इस वृद्धि को कुछ सीमित किया। बैंक ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रियायती स्वैप सुविधा के तहत 55,344 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंकिंग) यानी एफसीएनआर (बी) जमा जुटाने के कारण समीक्षाधीन तिमाही में शुद्ध ब्याज मार्जिन पर दबाव पड़ा। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर बैंक का प्रदर्शन बेहतर रहा। समीक्षाधीन तिमाही में नए फंसे कर्ज में शामिल होने वाली राशि घटकर 1,230 करोड़ रुपए रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 1,629 करोड़ रुपए थी। बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात भी सितंबर, 2025 के 1.39 प्रतिशत से सुधार के साथ सितंबर, 2026 में 1.04 प्रतिशत पर आ गया।

अडानी विंड को पांच बिजली उत्पादकों से 696.2 मेगावाट के ठेके मिले



नयी दिल्ली अडानी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पवन ऊर्जा कारोबार अडानी विंड को पांच बिजली उत्पादकों से कुल 696.2 मेगावाट क्षमता के ऊर्जा उत्पादक की आपूर्ति के ठेके मिले हैं। नए ठेके मिलने के साथ ही अडानी समूह के अलावा बाहर भी कंपनी का ग्राहक आधार बढ़ा है। ये ठेके ऐसे समय में मिले हैं, जब भारत का पवन ऊर्जा उद्योग अधिक क्षमता वाली टर्बाइन की ओर बढ़ रहा है और अडानी विंड गुजरात के मुंद्रा में अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ाने की तैयारी कर रही है। ठेके मिलने के बाद अब अडानी समूह से बाहर के स्वतंत्र बिजली उत्पादकों से कंपनी की कुल ठेका बुक एक गीगावाट (1,000 मेगावाट) के पार पहुंच गई है। ठेके के बारे में जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक, इनमें आरपी-संजीव गोयनका समूह की कंपनी पूर्वा ग्रीन पावर से 300 मेगावाट, बीसी जिंदल समूह की कंपनी जिंदल इंडिया पावर से 155 मेगावाट, एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी से 109.2 मेगावाट, आदित्य बिड़ला रिन्यूएबल्स से 82.5 मेगावाट और इंटीग्रम एनर्जी से 49.5 मेगावाट के ठेके शामिल हैं। इन अनुबंधों के तहत 5.2 मेगावाट, पांच मेगावाट और 3.3 मेगावाट क्षमता वाले तीन प्रकार के पवन टर्बाइन जनरेटर की आपूर्ति की जाएगी। इन परियोजनाओं को कर्नाटक, गुजरात और महाराष्ट्र में स्थापित किया जाएगा।

बीपीसीएल का दूसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 22.5 प्रतिशत गिरकर 4993 करोड़ रुपये रहा



नई दिल्ली। क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का एकल आधार पर शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में 22.5 प्रतिशत घटकर 4,993 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में एकल आधार पर उसका शुद्ध लाभ 6,443 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बयान में कहा कि इस दौरान उसकी परिचालन आय बढ़कर 1.58 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1.22 लाख करोड़ रुपये थी। वहीं, कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) करीब 14 प्रतिशत घटकर 9,437 करोड़ रुपये रह गई। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 10,968 करोड़ रुपये थी। देश की दूसरी सबसे बड़ी ईंधन खुदरा विक्रेता कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में कच्चे तेल के प्रत्येक बैरल को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदलने से 32.53 डॉलर का सकल रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) अर्जित किया।

पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 10.78 डॉलर प्रति बैरल था। हालांकि, लागत बढ़ने के बावजूद पिछले पांच महीने से खुदरा ईंधन कीमतों में बदलाव नहीं होने के कारण हुए नुकसान ने इस लाभ को काफी हद तक बेअसर कर दिया। कंपनी ने विपणन एवं भंडार से जुड़े नुकसान के रूप में 330 करोड़ रुपये और विदेशी मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के कारण 397 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया।

बीपीसीएल का एकीकृत आधार पर भी शुद्ध लाभ 21.5 प्रतिशत घटकर 4,863 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 6,191 करोड़ रुपये था। इस दौरान एकीकृत राजस्व 29.8 प्रतिशत बढ़कर 1.58 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि ईबीआईटीडीए 13.4 प्रतिशत घटकर 9,647 करोड़ रुपये रहा। बीपीसीएल ने बताया कि जुलाई-सितंबर तिमाही में उसकी रिफाइनरियों का कुल प्रसंस्करण 1.04 करोड़ टन रहा, जो उनकी स्थापित क्षमता का 118 प्रतिशत है।

इस दौरान घरेलू बाजार में 1.34 करोड़ टन ईंधन की बिक्री हुई। बीपीसीएल ने आंध्र प्रदेश के रामायपत्तनम में एक करोड़ टन सालाना क्षमता वाली नयी रिफाइनरी एवं पेट्रोरसायन परिसर परियोजना की योजनाओं को भी आगे बढ़ाया है।

पीस बॉन्ड पर साइन नहीं करूंगी', हाई कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद भी नेहा बोरा का इनकार

नयी दिल्ली दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों को लेकर जारी पीस बॉन्ड के मामले में आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि इस तरह के बॉन्ड का इस्तेमाल शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के संवैधानिक अधिकार को सीमित करने के लिए किया जा सकता है। नेहा ने साफकिया है कि वह खुद इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं करेंगी और न ही आइसा के किसी सदस्य से ऐसा करने को कहेंगी। यह मामला उस समय चर्चा में आया, जब स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (एसईएम) ने नेहा बोरा को पीस बॉन्ड पर हस्ताक्षर करने के लिए नोटिस जारी किया। इसके बाद उन्होंने नोटिस को चुनौती देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी। नेहा बोरा ने पीस बॉन्ड पर हस्ताक्षर नहीं करने के पीछे अपने तर्क भी रखे हैं। उनका कहना है कि यह कदम केवल उनके व्यक्तिगत मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर भविष्य में अन्य लोगों के विरोध-प्रदर्शन करने के अधिकार पर भी पड़ सकता है। नेहा के मुताबिक, यदि ऐसे बॉन्ड का इस्तेमाल शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में शामिल लोगों को रोकने के लिए किया जाता है, तो यह चिंता का विषय होगा। उन्होंने कहा कि वह इसीलिए हस्ताक्षर नहीं करेंगी और आइसा का कोई सदस्य भी इस बॉन्ड पर साइन नहीं करेगा।

यह विवाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के संदर्भ में सामने आया है। नेहा बोरा इन प्रदर्शनों को लेकर सक्रिय रही हैं। हालांकि, पीस बॉन्ड को लेकर उनकी आपत्ति और मजिस्ट्रेट की कार्रवाई के आधार पर अदालत का फैसला अलग-अलग पक्षों के तर्कों से जुड़ा है। पीस बॉन्ड का नोटिस मिलने के बाद नेहा बोरा ने 17 अक्टूबर को दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। उन्होंने अदालत से इस नोटिस पर रोक लगाने की मांग की थी। 23 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट के पास संबंधित कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त आधार मौजूद थे।

जर्मनी की कंपनियां तेजी से भारत को एक प्रमुख उपभोक्ता बाजार के साथ-साथ विनिर्माण -पीयूष गोयल

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि जर्मन कंपनियां अब भारत को सिर्फ बाजार नहीं, बल्कि विनिर्माण, नवाचार और अनुसंधान का रणनीतिक केंद्र मानती हैं। वैश्विक प्रतिस्पर्धा और लागत घटाने के लिए वे भारत में बड़े पैमाने पर विनिर्माण तथा हरित साझेदारी की संभावनाएं देख रही हैं। वर्तमान में लगभग 2,000 जर्मन कंपनियां भारत में संचालित हैं।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि जर्मनी की कंपनियां तेजी से भारत को एक प्रमुख उपभोक्ता बाजार के साथ-साथ विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) और नवाचार के लिए एक रणनीतिक केंद्र के रूप में देख रही हैं। गोयल ने यहां अपनी दो दिवसीय यात्रा समाप्त करने के बाद मीडिया से कहा कि उन्होंने सीमेंस हेल्थकेयर, बर्टेल्समैन इन्वेस्टमेंट, फॉक्सवैगन और स्कोडा सहित विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें कीं।

उन्होंने कहा, सभी सीईओ ने एक ही बात कही - जर्मनी की कंपनियां अब भारत को केवल एक बाजार के रूप में नहीं देखती हैं, बल्कि अपने साझीदार, विनिर्माण के आधार, अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार के केंद्र के रूप में देखती हैं। इस समय जर्मनी की लगभग 2,000 कंपनियों का भारत में परिचालन है। मंत्री दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए यहां आए थे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध न केवल वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार के द्वार खोलते हैं, बल्कि प्रतिभा, नवाचार, सह-सृजन, सह-डिजाइन, सह-विकास और सह-विनिर्माण के द्वार भी खोलते हैं।



गोयल ने कहा, आज जर्मनी के उद्योग के सामने सबसे बड़ी अनिवार्यता लागत में कटौती करना और वैश्विक बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी बनना है। इसलिए, वे भारत में बहुत बड़े पैमाने पर विनिर्माण की संभावनाएं देख रहे हैं।

जहां तक उनके नवाचार और डिजाइन कार्य का सवाल है, लगभग हर कंपनी मुझे मौजूदा केंद्रों, जीसीसी (वैश्विक क्षमता केंद्रों) के बारे में बड़े पैमाने पर बताती है, जहां वे लाखों प्रतिभाशाली युवाओं को रोजगार देते हैं। उन्होंने कहा कि यूरोपीय देश हरित हाइड्रोजन, वित्तीय सहायता और अपनी हरित पहलों जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ साझीदारी करना चाहते हैं।

कंबल के अंदर मसाज देख भड़के रोहित शेट्टी

स्काउटओपी और लवप्रीत कौर की नजदीकियों पर लगाई क्लास, खुश हुए फैंस

इस वीकेंड का वार में किसी भी रिश्ते की बारीकी से जांच होने वाली है! फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी, जो इस हफ्ते बिग बॉस 20 के वीकेंड का वार को होस्ट करेंगे, वे घर के अंदर कंटेस्टेंट स्काउटओपी और लवप्रीत कौर गिल की नजदीकियों को लेकर उनसे कड़े सवाल पूछते नजर आएंगे। सलमान खान ने 18 अक्टूबर के एपिसोड के दौरान बताया था कि कुछ पहले से तय काम की वजह से वे आने वाले वीकेंड का वार में शामिल नहीं हो पाएंगे। इसके बाद, उनकी जगह इस एपिसोड के लिए रोहित शेट्टी को होस्ट के तौर पर चुना गया। जियोहॉटस्टार द्वारा जारी किए गए प्रोमो में, रोहित, लव से स्काउट के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछते हैं। जब लव कहती हैं कि वह उसे अपना भाई मानती हैं, तो फिल्म निर्माता उनकी शारीरिक नजदीकियों पर सवाल उठाते हैं। रोहित पूछते हैं, लव, स्काउट तुम्हारे लिए क्या है? जब लव, स्काउट को अपना भाई बताती हैं, तो रोहित बताते हैं कि स्काउट को कंबल के अंदर उनके पैर, हाथ और गर्दन की मालिश करते हुए देखा गया है। वे उन्हें यह भी बताते हैं कि स्क्रीन पर ये हरकतें बिल्कुल भी अच्छी नहीं लग रही हैं।रोहित कहते हैं, जब वह तुम्हारे पैर दबा रहा है, हाथ दबा रहा है, गर्दन दबा रहा है... लव, यह ठीक नहीं लग रहा है। तुम स्काउट से कहती हो कि पीछे से दबा दे और वह तुम्हारे पैर दबा रहा है। यह बिल्कुल भी अच्छा नहीं लग रहा है।इस बातचीत के दौरान स्काउट अपना बचाव करते हुए कहते हैं कि जब साथी कंटेस्टेंट माही विज उनसे मालिश करने के लिए कहती हैं, तो वह ऐसा करते हैं। हालांकि, रोहित उनके इस बर्ताव पर सवाल उठाते रहते हैं और उन्हें चेतावनी देते हैं कि लव के साथ उनकी बढ़ती नजदीकियों से बाहर क्या संदेश जा रहा है। सोशल मीडिया पर दर्शकों ने इस प्रोमो पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। कई यूजर्स ने रोहित के दखल का समर्थन किया है और कंटेस्टेंट्स के बीच हुई इस बातचीत पर कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा, अब आएगा मजा, रोहित सर रॉक ! लव और आसिफ स्काउट... बहुत हैरान करने वाला, बहुत बढ़िया। एक और यूजर ने कमेंट किया।



तलाक के बाद भी माही से उतना ही प्यार करते हैं जय भानुशाली

कहा- तुम हमेशा मेरी जिम्मेदारी रहोगी, पैसा कभी हमारे बीच नहीं आया

टेलीविजन अभिनेता जय भानुशाली ने कहा है कि माही विज से अलग होने के बावजूद, उनके प्रति और अपनी बेटी तारा के प्रति उनके प्यार और सम्मान में कोई बदलाव नहीं आएगा। उनका यह बयान तब आया है, जब हाल ही में माही ने तलाक की प्रक्रिया के दौरान एलिमनी (गुजारा भत्ता) लेने से इनकार करने के अपने फैसले के बारे में बात की। जय ने माही की टीम द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अलग होने के बाद भी वे माही और अपनी बेटी का समर्थन करना जारी रखेंगे। अपने संदेश में, जय ने कहा कि पैसा कभी भी उनके बीच नहीं आया और उनका रिश्ता वैवाहिक स्थिति से कहीं ऊपर है। उन्होंने लिखा, मजबूत रहो, माही। हम दोनों जानते हैं कि मुश्किल समय में हम हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहेंगे। पैसा कभी हमारे बीच नहीं आया और न ही कभी आएगा। तुम और तारा हमेशा मेरी जिम्मेदारी रहोगे। शादी का रिश्ता बदलने से, तुम दोनों के लिए मेरे प्यार और सम्मान में कोई बदलाव नहीं आएगा। मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं। जय की यह प्रतिक्रिया तब आई है, जब माही ने बिग बॉस 20 में बातचीत के दौरान एक सिंगल मदर के रूप में अपने जीवन के बारे में बात की। तारा की परवरिश करने और एक अभिभावक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को संभालने के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री भावुक हो गईं। माही ने बताया कि जय अक्सर उन्हें घर से बाहर निकलने और खुद के लिए समय निकालने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, क्योंकि माही अपना ज्यादातर ध्यान अपनी बेटी पर ही लगाती हैं। एक सिंगल मदर के तौर पर, मुझे पता है कि मेरे दिन कैसे बीतते हैं। जय मुझे बाहर जाने और अपनी जिंदगी जीने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। वे कहते हैं कि मुझे सिर्फ तारा के लिए घर पर ही नहीं बैठे रहना चाहिए। मेरी जिंदगी मेरे बच्चे के इर्द-गिर्द घूमती है। मैंने कोई एलिमनी (गुजारा भत्ता) नहीं ली और अपने बच्चे के भविष्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए सब कुछ खुद ही संभाला है। बातचीत के दौरान, माही ने यह भी बताया कि उनके केस को देख रहे जज ने उनसे चार बार अपने फैसले पर फिर से विचार करने और आर्थिक मदद स्वीकार करने के लिए कहा था। लेकिन, वह अपने फैसले पर अडिग रहीं। उन्होंने कहा कि वह ऐसे पैसे का दावा नहीं करना चाहतीं, जिसे कमाने के लिए जय ने कड़ी मेहनत की है। एक्ट्रेस ने यह भी साफकिया कि उनका यह फैसला इसलिए नहीं था कि जय ने उन्हें आर्थिक मदद देने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा कि जय



अब ब्यूटी और ग्लैमर का जलवा दिखाएंगे सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल

स्किन और हेयर केयर ब्रांड डॉ. वेदा से मिलाया हाथ



एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और अभिनेता जहीर इकबाल सौंदर्य एवं स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े ब्रांड डॉ. वेदा के त्वचा और बालों की देखभाल संबंधी उत्पादों के प्रचार अभियान का चेहरा बन गए हैं। इस साझेदारी को भारतीय सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल के तेजी से विकसित होते बाजार में ब्रांड की पहचान मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस प्रचार अभियान की रचनात्मक योजना, निर्माण और प्रस्तुति की जिम्मेदारी स्टोरी बेकर्स निभा रही है। यह रचनात्मक सामग्री तैयार करने वाली संस्था है, जो प्रसिद्ध हस्तियों के साथ प्रचार अभियान, ब्रांड आधारित सामग्री और रणनीतिक संचार के क्षेत्र में काम करती है। डॉ. वेदा का प्रमुख विचार विज्ञान और सौंदर्य के बीच संतुलन स्थापित करना है। ब्रांड का उद्देश्य त्वचा और बालों से जुड़ी रोजमर्रा की समस्याओं के लिए उपयोगी और जरूरत के अनुरूप उत्पाद उपलब्ध कराना है। कंपनी ऐसी देखभाल को बढ़ावा देना चाहती है, जिसे लोग अपनी दैनिक दिनचर्या में आसानी से शामिल कर सकें। ब्रांड की कार्यशैली में आकर्षक प्रचार के बजाय वास्तविक जरूरतों के अनुरूप समाधान उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। इसके माध्यम से त्वचा और बालों की देखभाल को सरल, सुविधाजनक और आम उपभोक्ताओं के लिए अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

डॉ. वेदा की स्थापना सहर्ष मित्तल, स्माइल वाधवा, संजू वाधवा, स्मार्थ कपूर और प्रेरणा संथालिया ने मिलकर की थी। ब्रांड की शुरुआत त्वचा और बालों से जुड़ी सामान्य समस्याओं के समाधान के लिए उद्देश्यपूर्ण उत्पाद विकसित करने की सोच के साथ की गई। कंपनी का मानना है कि व्यक्तिगत देखभाल के उत्पाद उपभोक्ताओं की वास्तविक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किए जाने चाहिए। बदलते सौंदर्य रुझानों के पीछे भागने के बजाय दैनिक उपयोग और सुविधाजनक देखभाल को प्राथमिकता देना इसकी रणनीति का हिस्सा है। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की भागीदारी से ब्रांड को व्यापक उपभोक्ता वर्ग तक पहुंचने में मदद मिलने की उम्मीद है। दोनों कलाकार आगामी प्रचार अभियानों में दिखाई देंगे। इनके माध्यम से ब्रांड अपने उत्पादों और देखभाल संबंधी विचारों को अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाना चाहता है। वर्तमान समय में त्वचा और बालों की देखभाल को लेकर उपभोक्ताओं की रुचि बढ़ रही है। विशेष रूप से युवा वर्ग और कामकाजी लोग ऐसे उत्पादों की तलाश करते हैं, जिन्हें अपनी व्यस्त दिनचर्या में आसानी से शामिल किया जा सके और जो उनकी विशिष्ट जरूरतों के अनुरूप हों।

जिस सुपरहीरो ने जीता लाखों बच्चों का दिल, 75 की उम्र में एक्टर का हुआ निधन

1970 के दशक की टेलीविजन सीरीज शजाम! में बिली बैटसन का किरदार निभाने वाले माइकल ग्रे का 75 साल की उम्र में निधन हो गया है। शुक्रवार को पाम डेजर्ट में प्राकृतिक कारणों से उनका निधन हुआ। ग्रे इस सुपरहीरो सीरीज में अपने किरदार के लिए मशहूर हुए थे, जो 1974 से 1976 तक तीन सीजन तक चली थी। बिली बैटसन के रूप में उनके अभिनय ने उन्हें युवा टीवी दर्शकों के बीच एक जाना-पहचाना चेहरा बना दिया था। 1970 के दशक में वे कई टीन मैगजीन के कवर पर भी नजर आए थे। 'शजाम!' से जुड़ने से पहले, ग्रे



ने 1972 में छठब् की सीरीज 'द लिटिल पीपल' से टेलीविजन पर डेब्यू किया था, जिसमें ब्रायन कीथ और शेली फैबारेस भी थे। इसके अलावा, वे 'द ब्रैडी बंच', 'डायनेस्टी', 'मार्कस वेल्बी, ड.क.', 'रूम 222' और 'द फ्लाइंग नन' जैसे लोकप्रिय शो में भी नजर आए थे। ग्रे के सह-कलाकार जॉन डेवी ने उन्हें एक मिलनसार और दोस्ताना इंसान के रूप में याद किया, जिन्हें अभिनय करना और प्रशंसकों से मिलना पसंद था। शो के शुरुआती दिनों को याद करते हुए डेवी ने कहा, 'शजाम!' में मेरे पहले ही दिन, माइक और लेस ट्रेमेन ने मेरा स्वागत किसी राजा की तरह किया था। माइक एक बहुत ही प्यारे और अच्छे इंसान थे, जिनका सेंस ऑफह्यूमर भी बहुत शानदार था। उन्हें एक्टिंग करना पसंद था, शो में काम करना अच्छा लगता था, और हाल के सालों में उन्हें कॉमिक कॉन (बवउपब बवदे) में जाना भी बहुत पसंद था। उन्हें फैंस से मिलना और उनसे बातचीत करना बहुत अच्छा लगता था। माइक एक बहुत ही बेहतरीन इंसान थे। मुझे नहीं लगता कि उनके चेहरे से कभी मुस्कान हटी होगी। 2 सितंबर 1951 को शिकागो में जन्मे ग्रे, मियामी बीच, फ्लोरिडा में पले-बढ़े। बाद में, एक्टिंग की पढ़ाई करने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपना करियर बनाने के लिए वे लॉस एंजिल्स चले गए, जहाँ उन्होंने पासाडेना प्लेहाउस से एक्टिंग सीखी। 1976 में शजाम! के खत्म होने के बाद, ग्रे ने एक्टिंग से ब्रेक ले लिया क्योंकि उन्हें लगा

मल्लिका 49 की उम्र में भी फिट दिखने का राज है ये सीक्रेट डाइट

मर्डर गर्ल मल्लिका शेरावत तो याद होंगी। 24 अक्टूबर को अपना 49वां जन्मदिन मना रही मल्लिका वीगन डाइट को फॉलो करती हैं। अपनी परफेक्ट और टोंड फिगर के लिए वो वीगन डाइट को फॉलो करती हैं। और वीगन डाइट में भी अलग तरह के फूड्स और कूजिंस के साथ एक्सपेरिमेंट कर चुकी हैं। मल्लिका शेरावत ने खुद शेयर की है अपनी डाइट। 24 अक्टूबर को बर्थडे सेलिब्रेट कर रही मर्डर गर्ल फेम मल्लिका शेरावत 49 की उम्र में भी फिट दिखती हैं। उनकी फिटनेस और टोन बॉडी का राज उनकी खास डाइट है। जिसे उन्होंने एक इंटरव्यू में शेयर किया था।

मल्लिका शेरावत ने शेयर की डाइट

मल्लिका शेरावत की डाइट में फ्रेश फ्रूट, ग्रीन सलाद,एवाकॉडो और थाई ग्रीन करी शामिल रहती है। एनिमल प्रोडक्ट्स और डेयरी को वो पूरी तरह से अवॉएड करती हैं। अगस्त 2020 को बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में मल्लिका ने बताया था कि वो वीगन हैं और किसी भी तरह का एनिमल प्रोडक्ट और डेयरी प्रोडक्ट नहीं खातीं। इसका मतलब है कि नो दूध, नो लस्सी, नो पनीर, नो चीज। मेरे ब्रेकफास्ट में काफी सारे फ्रेश फ्रूट्स होते हैं। आम मेरा फेवरेट फ्रूट है।

चाय-कॉफी के साथ नहीं खाती ये फूड्स

इसके साथ ही मल्लिका ने बताया कि वो चाय या कॉफी नहीं पीती। साथ ही रोटी भी नहीं खाती और डेजर्ट खाने से भी परहेज करती हैं। केवल खजूर को वो डेजर्ट के तौर पर खाती हैं।

फल और सब्जियां हैं फेवरेट

मल्लिका ने बताया कि उन्हें भिंडी पसंद है। वो भिंडी की सब्जी खाना पसंद करती हैं। ग्रीन सलाद के अलावा वो एवाकॉडो को काफी ज्यादा पसंद करती हैं। थाई ग्रीन करी मल्लिका की फेवरेट है क्योंकि ये कोकोनट मिल्क से बनती है और इसमे मसालों का सही कॉम्बिनेशन होता है।

वीगन डाइट के फायदे

वीगन डाइट फॉलो करने के कई सारे फायदे हैं। एनिमल प्रोडक्ट को छोड़कर केवल प्लांट बेस्ड प्रोडक्ट खाना हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है। इससे ब्लड प्रेशर लो होता है और साथ ही वेट लॉस आसान हो जाता है। हार्ट डिसीज का रिस्क कम होने के साथ ही खास तरह के कैंसर का रिस्क भी कम हो जाता है। वीगन डाइट को



हरी सब्जियां पकाते हुए चुटकी भर चीनी क्यों मिलाते हैं?

एजेंसी

सर्दियों के मौसम की शुरुआत होने वाली है। इन दिनों बाजार में ढेर सारी हरी सब्जियां जैसे पालक, बथुआ और सरसों दिखाई देती हैं। घरों में इनका साग, सब्जी, पूड़ी और भी कई डिशेज बनती हैं। क्या आपको पता है कि इन सब्जियों को उबालते या पकाते समय इनमें चुटकी भर चीनी मिलाई जाती है? जी हां, कई लोग यहां तक कि रेस्टोरेंट में भी ये ट्रिक अपनाई जाती है। अगर आप अभी तक ये नहीं करती हैं, तो इसके फायदे जानकर अगली बार से करना शुरू कर देंगी। तो चलिए जान लेते हैं कि ऐसा भला क्यों किया जाता है। **ताकि बरकरार रहे हरा रंग:** पालक, बथुआ या सरसों जैसी हरी सब्जियां पकाते हुए अक्सर इनका हरा रंग फेड हो जाता है। ऐसे में अगर इन्हें पकाते हुए चुटकी भर चीनी मिला दी जाए, तो इनकी हरी रंगत बरकरार



रहती है। आपने रेस्टोरेंट में बनी हरी चटनी या सूप देखें होंगे, उनका रंग एकदम ब्राइट ग्रीन होता है। ये रंगत हल्की सी चीनी मिलाने से ही आती है। **कड़वाहट को बैलेंस करता है :** कुकिंग के दौरान जरा सी चीनी मिलाने पर कड़वाहट भी बैलेंस होती है। कई बार पालक या बथुआ में हल्का सा कड़वापन रहता है। ऐसे में हल्की सी चीनी एड कर दी जाए, तो स्वाद पूरी तरह बैलेंस हो जाता है। हालांकि ध्यान रहे आपको ज्यादा चीनी एड करनी है, वरना मीठापन भी आ सकता है। हमेशा चुटकी भर चीनी ही मिलाएं, ताकि टेस्ट नेचुरली एन्हांस हो सके।

नकली और असली केसर में फर्क कैसे करें?

एजेंसी

केसर दुनिया के सबसे महंगे मसालों में से एक है जो अपनी खुशबू, रंग और औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। इसे भोजन, मिठाइयों, स्किन केयर और औषधियों में इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन बाजार में केसर की ऊंची कीमत के कारण नकली और मिलावटी केसर भी बड़ी मात्रा में बिकता है जिससे असली और नकली में फर्क करना बहुत मुश्किल हो जाता है। असली केसर ना केवल महंगी होती है बल्कि उसकी खुशबू और स्वाद भी बेहद खास होते हैं। इसलिए, अगर आप केसर खरीद रहे हैं तो इन सरल घरेलू परीक्षणों की मदद से असली और नकली केसर की पहचान आसानी से कर सकते हैं।

असली केसर पहचानने के उपयोगी टिप्स

◆ **पानी में डालकर जांचें :** थोड़ी सी केसर को गर्म पानी में डालें। अगर कुछ देर बाद पानी का रंग धीरे-धीरे सुनहरा या हल्का पीला हो जाए और धागे का रंग न बदले, तो वह असली है। नकली केसर तुरंत गाढ़ा लाल रंग छोड़ती है।

◆ **खुशबू से पहचानें:** असली केसर की खुशबू तेज और मीठी होती है जिसमें मिट्टी और शहद जैसी हल्की महक आती है। नकली केसर में अक्सर आर्टिफिशियल सुगंध मिलाई जाती है।

◆ **स्वाद से करें टेस्ट :** असली केसर का स्वाद कड़वा और हल्का कसैला होता है जबकि नकली केसर में मीठापन महसूस होता है।

◆ **पेपर टेस्ट करें:** केसर के कुछ धागों को सफेद पेपर पर रखें और थोड़ा पानी डालें। अगर धागे



लाल रंग छोड़ते हैं और दाग बनता है तो वह नकली है। असली केसर का रंग प्राकृतिक और धीरे-धीरे घुलता है।

◆ **दूध टेस्ट:** गर्म दूध में केसर डालें। अगर दूध धीरे-धीरे पीला या सुनहरा रंग ले और धागे अपनी आकृति बनाए रखें तो वह असली है। नकली केसर तुरंत दूध को गहरा नारंगी कर देती है।

◆ **केसर की बनावट देखें:** असली केसर के धागे मुड़े हुए और हल्के खुरदरे होते हैं, जबकि नकली केसर चिकनी और सीधी दिखती है।

खाएं ये सुपरफूड्स और रहें वायु प्रदूषण से सुरक्षित!

एजेंसी

आज के समय में वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुका है। शहरों की धुंध, धूल और धुएं से हमारी सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इससे सांस की तकलीफ, एलर्जी, त्वचा की समस्याएं और शरीर में सूजन जैसी परेशानियां बढ़ जाती हैं। लेकिन अच्छी खबर यह है कि हम अपने खाने-पीने की आदतों से इन दुष्प्रभावों को कम कर सकते हैं। कुछ खास खाद्य पदार्थ जैसे हरी सब्जियां, फल, नट्स और मसाले, शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं और प्रदूषण के असर से बचाव करते हैं।

अगर हम सही खाना खाएं और पर्याप्त पानी पिएं, तो यह शरीर के लिए प्राकृतिक ढाल का काम कर सकता है। वायु प्रदूषण के कारण शरीर में सूजन, ऑक्सीडेटिव तनाव और श्वसन समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे में कुछ विशेष आहार विकल्प शरीर को इन प्रभावों से बचाने में सहायक हो सकते हैं। वायु प्रदूषण के प्रभावों से बचने के लिए आहार में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। ऊपर बताए गए खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल करके हम अपने शरीर को प्रदूषण के दुष्प्रभावों से बचा सकते हैं। इसके अलावा योग, ध्यान और पर्याप्त नींद भी स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

लाभकारी खाद्य पदार्थ

■ **हरी पत्तेदार सब्जियां:** पालक, मेथी, सरसों जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां विटामिन ष्ट, श्च और फाइटोकेमिकल्स से भरपूर होती हैं जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करती हैं।

■ **अखरोट और अलसी के बीज:** इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड्स होते हैं जो सूजन को नियंत्रित करने और हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हैं।

■ **अदरक और हल्दी:** इनमें एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं जो प्रदूषण के कारण होने वाली सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

■ **सिट्रस फल:** संतरा, मौसंबी, नींबू आदि विटामिन ष्ट का अच्छा स्रोत होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं।



■ **हरी चाय:** इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर को प्रदूषण से होने वाले ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाते हैं।

■ **प्याज और लहसुन:** इन दोनों में सल्फर यौगिक होते हैं जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

■ **दही और प्रोबायोटिक्स:** ये आंतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं जिससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

■ **साबुत अनाज:** जौ, ओट्स, क्विनोआ जैसे साबुत अनाज फाइबर से भरपूर होते हैं जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

■ **पानी:** पर्याप्त मात्रा में पानी पीना शरीर से प्रदूषण के प्रभावों को बाहर निकालने में सहायक होता है।

■ **मसालेदार खाद्य पदार्थों से परहेज:** अत्यधिक मसालेदार और तैलीय खाद्य पदार्थों से परहेज करना चाहिए, क्योंकि ये शरीर में सूजन को बढ़ा सकते हैं।